मार्गशीर्ष शुक्ल - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 133 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 08-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ऑस्ट्रेलिया में बुमराह पर दबाव कम करने के लिए भारत को जल्दी शमी की जरूरत : शास्त्री

6 कर्नल ललित रायः कारगिल की पहाड़ियों पर गूंजी दहाड़, 'खुकरी' से करवाया घुसपैठियों का संहार

7 एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एशन करते नजर आएंगे सनी देओल

फर्स्ट टेक

नीदरलैंड के हेग में विस्फोट से महिला की मौत, कई लोग घायल

हेग/एपी। नीदरलैंड के हेग शहर के एक इलाके में शनिवार को विस्फोट होने और आग लगने से एक महिला की मौत हो गई तथा कई लोग घायल हो गए। घटना में कई मकानों को भी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। महापौर जान वैन जेनन ने कहा कि अधिकारी ''सभी पहलुओं'' को ध्यान में रखकर जांच कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे घटनास्थल से निकली हुई एक कार की तलाश कर रहे हैं, ताकि जांच में मदद मिल सके। आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि मलबे से चार लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

संभल में शाही जामा मस्जिद के फर्जी वीडियो से विवाद, मामला दर्ज

संभल (उप्र)/भाषा। संभल में ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद का एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद साइबर पुलिस थाने में एक मामला दर्ज किया गया है। इस वीडियो में मस्जिद के अंदर तोड़ फोड़ होती दिख रही है। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि साइबर थाने के उप निरीक्षक अनिल कुमार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट दिखी, जिसमें संभल की जामा मस्जिद का वीडियो बना कर मस्जिद के अंदर तोड़ फोड़ होती दिखाई गई। उन्होंने बताया कि फर्जी वीडियो से दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ सकता था, लिहाजा इस मामले में साइबर थाने में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि फर्जी वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गाजा में संघर्ष विराम के लिए वार्ताएं तेज हो गई हैं : कतर के प्रधानमंत्री

दोहा (कतर)/एपी। कतर के प्रधानमंत्री ने कहा है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद से गाजा में संघर्ष विराम के प्रयासों ने गति पकड़ी है। युद्ध विराम प्रयासों में प्रमुख मध्यस्थ शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल सानी ने दोहा में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, इस संबंध में हुई वार्ता का विवरण देने से इनकार कर दिया, हालांकि उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बहुत ज्यादा मतभेद नहीं रह गए हैं। चौदह महीने पहले शुरू हुए युद्ध के दौरान मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले कतर ने पिछले महीने प्रयासों के सफल नहीं होने से हताश होकर कोशिशें रोक दी थीं।

08-12-2024 सूर्यास्त 5:42 बजे | 09-12-2024 सूर्योदय 6:19 बजे

BSE	NSE
81,709.12 (-56.74)	24,677.80 (-30.60)

सोना	चांदी
7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	98,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युग सुरसा

कब वक्त रहा सस्ताई का,
केवल यह सबको भ्रम भाई।
सब मांग पूर्ति का संतुलन,
बाजार बना सबका सांई।
कुछ की दर घटा बढ़ा कुछ कर,
भ्रम फैलाते हैं सौदाई।
सरकार बने दातार मगर,
युग सुरसा है यह मँहगाई।।

'सेवा परमो धर्म', ये सिर्फ शब्द नहीं हैं, ये हमारे जीवन मूल्य हैं : मोदी

बीएपीएस स्वयंसेवकों के काम से वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के स्वयंसेवकों द्वारा की गई सेवा देश को शक्ति प्रदान करती है तथा विश्व में भारत के प्रभाव को बढ़ाती है। प्रधानमंत्री ने यहां नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में बीएपीएस संप्रदाय के स्वयंसेवकों के एक सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि देश ने 2047 तक विकसित बनने का लक्ष्य रखा है और अगले दो दशक बीएपीएस स्वयंसेवकों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस कार्यक्रम में मौजूद थे, जिसमें हजारों स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीएपीएस द्वारा किया गया कार्य भगवान स्वामीनारायण की शिक्षाओं के माध्यम से दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन में बदलाव ला रहा है, लाखों आत्माओं को छू रहा है और समाज के सबसे निचले छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति को सशक्त बना रहा है। उन्होंने कहा, ''इसीलिए आप प्रेरणा बनते हैं, पूजे जाते हैं और पूजनीय होते हैं। बीएपीएस का काम भारत को ताकत देता है, पूरे विश्व में भारत के प्रभाव को मजबूत करता है।''

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस कार्यक्रम में मौजूद थे, जिसमें हजारों स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारी संस्कृति में कहा गया है कि 'सेवा परमो धर्म' (सेवा सबसे बड़ा धर्म है)। ये सिर्फ शब्द नहीं हैं, ये हमारे जीवन मूल्य हैं। सेवा को आस्था, विश्वास और व्रत से भी ऊंचा स्थान दिया गया है...जब यह सेवा एक संस्था, एक आंदोलन के रूप में, हजारों कार्यकर्ताओं के साथ संगठित तरीके से की जाती है, तो अद्भुत परिणाम प्राप्त होते हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की संगठित सेवा में समाज और देश की समस्याओं को हल करने और सामाजिक बुराइयों को मिटाने की क्षमता है।

क्षय रोग से बहुआयामी तरीके से लड़ रहा है भारत : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। सौ दिवसीय क्षय उन्मूलन अभियान शनिवार से शुरू होने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत इस बीमारी से बहुआयामी तरीके से लड़ रहा है, जिसमें मरीजों के लिए दोहरी सहायता, जनभागीदारी, नई दवाएं, प्रौद्योगिकी का उपयोग और बेहतर जांच उपकरण शामिल हैं।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''टीबी (क्षय रोग) के खिलाफ हमारी लड़ाई और मजबूत हो गई है। टीबी को हराने की सामूहिक भावना से प्रेरित होकर, आज से एक विशेष 100-दिवसीय अभियान शुरू हो रहा है, जिसका जोर टीबी के अधिक मामलों वाले जिलों पर होगा।''

उन्होंने कहा कि भारत टीबी से बहुआयामी तरीके से लड़ रहा है, जिसमें मरीजों को दोगुना समर्थन, जनभागीदारी, नई दवाएं, प्रौद्योगिकी का उपयोग और बेहतर जांच उपकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''आइए हम सब एकसाथ आएं और टीबी को खत्म करने में अपना योगदान दें।''

महाकुम्भ की दिव्यता और भव्यता पूज्य संतों से ही है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। महाकुम्भ 2025 की औपचारिक शुरुआत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी प्रयागराज यात्रा से पूर्व शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ की तैयारियों का निरीक्षण किया।

मेला क्षेत्र में सभी 13 अखाड़ों के साधु संतों और तीर्थ पुरोहितों के साथ भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, महाकुम्भ की दिव्यता और भव्यता पूज्य संतों से ही है, सरकार और प्रशासन तो बस आयोजन की सहयोगी है। आज वैश्विक पटल पर यदि सनातन संस्कृति गौरवान्वित हो रही है तो यह संतों की कृपा से ही हो पा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 13 दिसंबर को प्रयागराज में प्रधानमंत्री मोदी जी का आगमन प्रस्तावित है। वह संगम का पूजन करेंगे, साथ ही महाकुम्भ के लिए हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इस विशेष अवसर पर सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधि, खाक-चौक परंपरा, दंडीबाड़ा परंपरा, आचार्याबाड़ा परंपरा और तीर्थ पुरोहितों के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों से उपस्थिति होने का आग्रह करता हूं।

साधु संतों ने मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि योगी पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो महाकुम्भ के विषय में साधु-संतों, आचार्यों से इस तरह से सीधे संवाद करके उनकी समस्याओं/सुझावों को सुन रहे हैं।

सीरिया की यात्रा से बचें भारतीय

नई दिल्ली/भाषा। सीरिया में जारी हिंसा के मद्देनजर भारत ने अपने नागरिकों को वहां की यात्रा से बचने की सलाह दी है और सीरियां में रह रहे नागरिकों से ''अत्यंत सावधानी'' बरतने तथा आवाजाही समिति करने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने एक परामर्श में हिंसा प्रभावित देश में रह रहे भारतीयों से कहा कि यदि संभव हो तो वे यथाशीघ्र उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से वहां से चले जाएं।

लातूर के 100 से अधिक किसानों को जमीन को लेकर मिला महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड का नोटिस

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर जिले में 100 से अधिक किसानों ने शनिवार को दावा किया कि वक्फ बोर्ड उनकी जमीन हड़पने का प्रयास कर रहा है, जिसपर वे कई पीढ़ियों से खेती करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह दावा छत्रपति संभाजीनगर स्थित महाराष्ट्र राज्य वक्फ अधिकरण में दायर किया गया है और कुल 300 एकड़ भूमि रखने वाले 103 किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं। किसानों में से एक तुकाराम कानवटे ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''ये जमीन हमें पीढ़ी दर पीढ़ी मिली हैं। ये वक्फ की संपत्ति नहीं हैं। हम चाहते हैं कि महाराष्ट्र सरकार हमें न्याय दे। इस मामले पर अदालत में दो सुनवाई हो चुकी है और अगली सुनवाई 20 दिसंबर को है।'' केंद्र सरकार ने इस साल 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया था, ताकि वक्फ बोर्ड के कामकाज को सुव्यवस्थित किया जा सके और इसकी संपत्तियों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

'हिन्दी के संवाहक बनें, विश्व स्तर पर इसकी खूबियों को प्रचारित करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को हिंदी में स्नातक करने वाले युवाओं से इस भाषा के संवाहक बनने और दुनियाभर में इसकी खूबियों को प्रचारित करने की अपील की।

सोनोवाल ने यहां दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के 83वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी में बहुत बड़ी ताकत है, जिसने दुनियाभर के लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है।

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने युवाओं से आग्रह किया, ''हिंदी के संवाहक बनें और इसे दुनिया को दिखाएं। हिंदी की खूबियों और महानता का प्रसार करें। इसे एक वैश्विक भाषा बनाएं। हिंदी में वह क्षमता है।'' उन्होंने कहा, ''हिंदी एकता की भाषा है और इसका प्रयोग और इसे अपनाना सभी भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है। यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लोकाचार का प्रदर्शन भी है, जहां हम अपनी एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए अपनी विविधता को अपनाते हैं।''

राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए सोनोवाल ने डिग्री प्रदान करने के बाद कहा, ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा 1918 में स्थापित इस संस्थान में उपस्थित होना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।''

नवोन्मेषी, भागीदारीपूर्ण कूटनीति से संघर्ष का समाधान निकालने में मिल सकती है मदद

दोहा (कतर)/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को अधिक नवोन्मेषी और भागीदारीपूर्ण कूटनीति का आह्वान करते हुए कहा कि सूई रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी रहने के बजाय बातचीत की वास्तविकता की ओर बढ़ रही है।

जयशंकर ने खाड़ी और भूमध्य सागर क्षेत्र में संघर्ष की स्थिति के कारण भारत सहित सभी देशों पर तेल, उर्वरक और 'शिपिंग' (नौपरिवहन) आदि की लागत में वृद्धि के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला।

जयशंकर कतर के प्रधानमंत्री एवं विदेश राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान के निमंत्रण पर दोहा फोरम में भाग लेने के लिए दोहा की यात्रा पर हैं। जयशंकर नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे के साथ एक पैनल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि राजनयिकों को खुद से कहना होगा,

यह दुनिया अस्तव्यस्त है। यह भयानक है। संघर्ष हैं, इसलिए दुनिया के राजनयिकों के लिए आगे आने का और भी अधिक कारण है।''

उन्होंने यह भी कहा कि 60 और 70 के दशक का वह दौर ''हमारे पीछे'' है, जब (संयुक्त राष्ट्र) सुरक्षा परिषद या कुछ पश्चिमी शक्तियां (ऐसे संघर्षों) का प्रबंधन करती थीं उन्होंने कहा कि सभी देशों को आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह, अधिक नवीन कूटनीति, अधिक भागीदारी वाली कूटनीति के लिए एक बड़ा मामला है। मुझे लगता है कि अधिक देशों को पश्चिम को दरकिनार करने का साहस दिखाने की आवश्यकता है।''

जब प्रस्तोता ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के संदर्भ में भारत की भूमिका के बारे में पूछा, तो जयशंकर ने कहा, ''सुई युद्ध जारी रखने की तुलना में बातचीत की वास्तविकता की ओर अधिक बढ़ रही है।''

जयशंकर ने यह समझाया कि भारत कैसे मॉस्को जाकर, राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन से बात करके, कीव जाकर, राष्ट्रपति (वोलोदिमिर) जेलेंस्की से बातचीत करके, पारदर्शी तरीके से एक-दूसरे को संदेश देकर अपनी कही गई बात पर आगे बढ़ रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत ''साझा सूत्र'' खोजने की कोशिश कर रहा है, जिन्हें किसी समय पर पकड़ा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 125 अन्य देशों की भावनाओं और 'ग्लोबल साउथ' के हितों को व्यक्त कर रहा है, जिन्होंने पाया है कि इस युद्ध से उनकी ईंधन लागत, उनकी खाद्य लागत, उनकी मुद्रास्फीति, उनके उर्वरक की लागत प्रभावित हुई है।

बांग्लादेश के ढाका में इस्कॉन मंदिर में लगाई आग, मूर्तियों में तोड़फोड़ की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश के ढाका जिले स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर में कुछ लोगों ने शुक्रवार देर रात आग लगा दी जबकि पड़ोसी देश स्थित इस्कॉन ने कहा कि यह एक भक्त का ''पारिवारिक मंदिर'' था। वहीं, संगठन के कोलकाता कार्यालय ने कहा, ''इस्कॉन नमहट्टा केंद्र'' को निशाना बनाया गया।

ढाका जिले के तुराग पुलिस थाने के अंतर्गत धौर गांव स्थित इस्कॉन नमहट्टा केंद्र पर शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात हमला किया गया। तुराग पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अपराधियों की तलाश की जा रही है।

बांग्लादेश में इस्कॉन के महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने बताया, ''मंदिर की टीन की छत को उखाड़ने के बाद आग लगाई गई। हालांकि आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, लेकिन एक मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई और पर्दे जल गए।''

वहीं दूसरी ओर, कोलकाता स्थित इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''अराजक तत्वों ने नमहट्टा संपत्ति में मंदिर के अंदर स्थापित मूर्तियों में आग लगा दी।'' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बांग्लादेश में इस्कॉन नमहट्टा केंद्र को जला दिया गया। श्री श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्तियां और मंदिर के अंदर की सभी वस्तुएं पूरी तरह जल गई हैं। यह केंद्र ढाका में स्थित है। बदमाशों ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात 2-3 बजे श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर और श्री श्री महाभाग्य लक्ष्मी नारायण मंदिर में आग लगा दी। ये मंदिर ढाका जिले के तुराग पुलिस थाने के अंतर्गत धौर गांव स्थित हरे कृष्ण नमहट्टा संघ के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।''

अमेरिका को सीरिया के मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिका को सीरिया में सैन्य कार्रवाई से बचना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, यह हमारी लड़ाई नहीं है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब विद्रोही राजधानी दमिश्क के

उपनगरों तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद सत्ता में बने रहने के लिए अमेरिकी समर्थन के लायक नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि विद्रोही संभवतः असद को सत्ता से हटा सकते हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने सीरिया में 13 वर्षों से चल रहे युद्ध से निपटने में अमेरिका के समग्र रवैये की भी निंदा की। उन्होंने शनिवार को पोस्ट में लिखा, सीरिया में अव्यवस्था का माहौल है, लेकिन वह हमारा मित्र नहीं है और अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। यह हमारी लड़ाई नहीं है। इसमें शामिल न हों!

महादेव ऐप सट्टा मामला : ईडी ने 388 करोड़ रुपए की नई संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि उसने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में जारी धन शोधन की जांच के तहत करीब 388 करोड़ रुपए की नई संपत्ति कुर्क की है।

ईडी के मुताबिक, इस मामले में छत्तीसगढ़ के कई उच्च पदस्थ नेताओं और नौकरशाहों के संलिप्त होने का आरोप है।

संघीय एजेंसी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इनमें चल संपत्तियां शामिल हैं। इन चल संपत्तियों में मॉरीशस स्थित कंपनी तानो इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज फंड द्वारा एफपीआई और एफडीआई के माध्यम से दुबई स्थित ''हवाला ऑपरेटर'' हरि शंकर टिबरेवाल से संबंधित निवेश और छत्तीसगढ़, मुंबई और मध्य प्रदेश में कई सट्टेबाजी ऐप और वेबसाइटों के प्रवर्तकों, पैनल ऑपरेटर और प्रवर्तकों के सहयोगियों के नाम पर संपत्तियां हैं।

निदेशालय (ईडी) ने कहा कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए पांच दिसंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया था, जिसका कुल मूल्य 387.99 करोड़ रुपए है। इस मामले में एजेंसी टिबरेवाल की जांच कर रही है।

ईडी ने इस जांच के दौरान कई ऐसे आदेश जारी किए हैं और नवीनतम आदेश के साथ, अब तक 2,295.61 करोड़ रुपए की संपत्ति या तो फ्रीज, कुर्क या जब्त की जा चुकी है।

सीरिया के विद्रोही दमिश्क के उपनगरों तक पहुंच गए हैं: विद्रोही कमांडर

बेरूत/एपी। सीरिया के विपक्षी कार्यकर्ताओं और एक विद्रोही कमांडर ने शनिवार को दावा किया कि विद्रोही एक आक्रामक अभियान के तहत तेजी से आगे बढ़ते हुए दमिश्क के उपनगरों तक पहुंच गए हैं। उन्होंने दावा किया कि विद्रोहियों ने सीरिया के कुछ बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है।

ऐसा पहली बार है जब विपक्षी सेनाएं 2018 के बाद से सीरियाई राजधानी के बाहरी इलाके में पहुंचीं।

यह हमला शनिवार को सीरियाई सेना द्वारा दक्षिणी सीरिया के ज्यादातर हिस्सों से वापस चले जाने के बाद हुआ है, जिसके कारण दो प्रांतीय राजधानियों समेत देश के अधिकांश क्षेत्र विपक्षी लड़ाकों के नियंत्रण में आ गए हैं। नाटकीय घटनाक्रम के बीच, सीरिया के सरकारी मीडिया ने सोशल मीडिया पर फैली उन अफवाहों का खंडन किया है कि राष्ट्रपति बसर अल असद देश छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि वह राजधानी दमिश्क में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

ब्रिटेन के 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' के प्रमुख रामी अब्दुर्रहमान ने कहा कि विद्रोही अब दमिश्क के उपनगरों मादामिया, जरामाना और दरया में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को विपक्षी लड़ाके भी पूर्वी सीरिया से दमिश्क के उपनगर हरास्ता की ओर बढ़ रहे थे।

सहज स्मृति योग

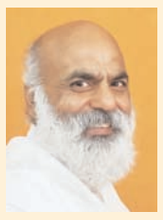

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न : गुरु जी, मैं अपनी दृष्टि में निरंतर अपने गुरु की सेवा में रहती हूँ जिससे परम सुखी, संतुष्ट और आनंदित भी रहती हूँ, लेकिन ऐसा लगता रहता है जैसे अभी भी कुछ तो है जो अप्राप्य है,वह क्या है? जब सोचती विचारती हूँ तो पाती हूँ कि ना तो मेरी या मेरे परिवार की, और न ही कोई आध्यात्मिक या सांसारिक चाहना या कमी या लालसा ऐसी है जो पूरी न हो गई हो। फिर भी ऐसा क्यों है ?

उत्तर: आश्रम के परमार्थिक प्रकल्प में परमात्मा के दर्शन और सेवा समझना और भाव रूप में इसका अनुभव करना कि आश्रम गुरु की देह ही है, यह गुरु दर्शन का स्थूल-तम स्तर है। आत्म स्वरूप दर्शन हेतु व्यक्ति रूप में जीवित गुरु की भूमिका अच्युत है क्योंकि, यथार्थ गुरु दर्शन का आरम्भ तो तब हुआ कहा जाता है जब वर्षों लंबी दीर्घ अवधि तक अपने व्यक्तित्व में निरंतर खोजते रहने पर भी कभी रत्ती भर भी अहंकार न मिले। परंपरा से यह दीर्घ अवधि बारह वर्ष तक की कही जाती है। ऋषिकालीन भारत में सैंतीस अड़तीस वर्ष की अवस्था तक आते आते आचार्यगण इस विवेक ख्याति अवस्था को उपलब्ध हो जाते थे। अहंकार के सर्वनाश होने पर ही प्राप्य वस्तु का यथार्थ बोध होना आरम्भ होता है। उससे पूर्व अतृप्तता रहती ही रहती है। पर, यह शुभ लक्षण है। यह अतृप्ति तभी तृप्ति में रूपांतरित होकर चिर स्थायी शांति होती है जब अहंकार शून्य होकर ईश्वरीय स्मृति और श्रुति का ऐक्य हो जाता है ।श्रुति कोई विलग वस्तु नहीं है बल्कि, वह आप ही का रूपांतरण है। गुरु प्रकट होने पर गुरूर सदा के लिए तिरोहित हो जाता है और उसके स्थान पर चिर स्थाई अकिंचनता हृदय में बनी रहती है।उससे भी एक तरह की कभी न बुझने वाली अतृप्ति या तृषा रहती है पर वह निरंतर भरे जाते रहने के भाव के साथ साथ ही रहती है इसलिए अपूर्णता नहीं बल्कि पूर्णता की ही अनुभूति देती रहती है। इसी से ऐसा लगता रहता है कि जैसे कुछ शेष या अप्राप्य हो ।

मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों ने विधायक के रूप में शपथ ली

विपक्ष ने समारोह का बहिष्कार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के दो दिन बाद शनिवार को देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विधायक के रूप में शपथ ली, जबकि विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी ने ईवीएम के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए समारोह का बहिष्कार किया।

विपक्षी सदस्यों ने सदन के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार कर दिया और उन्होंने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भारी जनादेश और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने फडणवीस, शिंदे और पवार को विधायक के तौर पर शपथ दिलाई। उनसे पहले, चैनसुख संचेती और जयकुमार रावल (दोनों भाजपा), माणिकराव कोकाटे (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) और आशीष जायसवाल (शिवसेना) ने शपथ ली। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें प्रोटेम स्पीकर पैनल के सदस्य के रूप में नियुक्त किया। इन चारों ने शनिवार को सदन के सदस्य के रूप में सबसे पहले शपथ ली। नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य विधानमंडल के निचले सदन के सदस्य के रूप में छठी बार शपथ ली। वह पहली बार 1999 में विधायक चुने गए थे। जब 'प्रोटेम स्पीकर' ने फडणवीस का नाम पुकारा, तो सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर उनका स्वागत किया। कुछ सदस्यों ने ''जय श्री राम'' और ''जय भवानी, जय शिवाजी'' के नारे लगाए।

बातचीत के मूड में नहीं मोदी सरकार, आज दिल्ली की ओर मार्च करेंगे 101 किसान: पंधेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने शनिवार को कहा कि किसानों को उनके मुद्दों पर बातचीत के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई संदेश नहीं मिला है, लिहाजा 101 किसानों का एक समूह आठ दिसंबर को दिल्ली की ओर मार्च शुरू करेगा।

शुक्रवार को पंजाब-हरियाणा सीमा पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा आंसू गैस के गोले दागे जाने के कारण कुछ किसानों के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने राष्ट्रीय राजधानी की ओर अपना पैदल मार्च स्थगित कर दिया था। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को पूरा करने का दबाव बना रहे हैं। शनिवार को पंजाब-हरियाणा सीमा पर शंभू में मीडिया को संबोधित करते हुए पंधेर ने कहा कि हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों द्वारा आंसूगैस के गोले दागे जाने के कारण 16 किसान घायल हो गए। इनमें से एक की सुनने की क्षमता चली गई। उन्होंने कहा कि चार घायल किसानों को छोड़कर बाकी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा, हमें बातचीत के लिए केंद्र से कोई संदेश नहीं मिला है। (नरेन्द्र) मोदी सरकार बातचीत के मूड में नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने पहले ही फैसला कर लिया है कि 101 किसानों का एक जत्था रविवार दोपहर को शांतिपूर्ण तरीके से फिर से राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करेगा।

महाराष्ट्र में 'महायुति' को मिले विशाल जनादेश को लेकर जनता में कोई उत्साह नहीं दिख रहा : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्हापुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के 23 नवंबर को आए नतीजों में भाजपा नीत 'महायुति' गठबंधन को मिली भारी जीत के बाद राज्य की जनता में कोई उत्साह या खुशी नहीं दिखाई दे रही।

पवार ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में कहा कि विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे इस झटके के बाद जनता के बीच जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए)यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि सरकार अपने सभी चुनाव पूर्व वादों पर अमल करे, जिनमें 'लाडकी बहिन'योजना के तहत महिलाओं को हर माह वित्तीय सहायता 1,500 रुपए से बढ़ाकर 2,100 रुपए करना शामिल है। राजनीति में दशकों का अनुभव रखने वाले पवार ने कहा, ''महायुति को मिले भारी जनादेश के बाद लोगों में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है।'' पवार नीत पार्टी 288 सदस्यीय विधानसभा में केवल 10 सीट पर विजयी हुई है। शरद पवार ने सपा नेता अबू आजमी के एमवीए छोड़ने की घोषणा को लेकर सवाल पर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) का केंद्रीय नेतृत्व विपक्षी एकता पर अडिग है। सपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष आजमी ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) के कारण एमवीए से अलग हो रही है क्योंकि ठाकरे के करीबी ने दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद को ढहाने वालों की प्रशंसा की है।

जीएसटी से और वसूली की तैयारी में सरकार, इसका पुरजोर विरोध करेंगे : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के नए स्लैब लाकर और वसूली की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी इस घोर अन्याय का पुरजोर विरोध करेगी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर कर संग्रह से जुड़ा एक ग्राफिक साझा करते हुए पोस्ट किया, पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ़ कॉरपोरेट कर के मुक़ाबले आयकर लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज़्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। उन्होंने दावा किया, ''सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है। आपकी ज़रूरत की चीज़ों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है।'' उन्होंने कहा, ''ज़रा सोचिए, अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपए से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने जा रही है।''

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह घोर अन्याय है कि अरबपतियों को कर में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज़ माफ़ करने के लिए ग़रीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स द्वारा लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारी लड़ाई इसी अन्याय के ख़िलाफ़ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के ख़िलाफ़ हम मजबूती से आवाज़ उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे।

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश नरीमन ने अयोध्या फैसले की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन ने रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद मामले में शीर्ष अदालत के 2019 के निर्णय की आलोचना करते हुए इसे ''न्याय का उपहास'' बताया, जो पंथनिरपेक्षता के सिद्धांत के साथ न्याय नहीं करता।

'पंथनिरपेक्षता और भारतीय संविधान' विषय पर प्रथम न्यायमूर्ति ए एम अहमदी स्मारक व्याख्यान में न्यायमूर्ति नरीमन ने हालांकि कहा कि इस फैसले में एक ''सकारात्मक पहलू'' भी है क्योंकि इसमें उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 को बरकरार रखा गया है। न्यायमूर्ति नरीमन ने कहा, ''मेरा मानना है कि न्याय का सबसे बड़ा उपहास यह है कि इन निर्णयों में पंथनिरपेक्षता को उचित स्थान नहीं दिया गया।'' न्यायमूर्ति नरीमन ने मस्जिद को ढहाये जाने को गैर कानूनी मानने के बावजूद विवादित भूमि प्रदान करने के लिए न्यायालय द्वारा दिए गए तर्क से भी असहमति जताई। उन्होंने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि देशभर में इस तरह के नये-नये मामले सामने आ रहे हैं। हम न केवल मस्जिदों के खिलाफ बल्कि, दरगाहों के खिलाफ भी वाद देख रहे हैं। मुझे लगता है कि यह सब सांप्रदायिक वैमनस्य को जन्म दे सकता है। इस सब को खत्म करने का एकमात्र तरीका यह है कि इसी फैसले के इन पांच पन्नों को लागू किया जाए और इसे हर जिला अदालत और उच्च न्यायालय में पढ़ा जाए।

देश में 2015 से क्षयरोग कम होने की दर दोगुनी हुई : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने क्षय रोग (टीबी) के मामलों और इसके कारण होने वाली मृत्यु की दर में कमी लाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान का शनिवार को हरियाणा के पंचकूला में उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में इस रोग के मामलों में कमी आने की दर 2015 से दोगुनी हो गई है और यह वैश्विक औसत से अधिक है।

कुल 100 दिवसीय क्षयरोग उन्मूलन अभियान उन 33 राज्यों के 347 जिलों में चलाया जाएगा, जहां इस बीमारी का प्रकोप अधिक है। अभियान का उद्देश्य रोग की पहचान को बढ़ाना, निदान में होने वाली देरी को कम करना और उपचार के परिणामों को बेहतर बनाना है। नड्डा ने कहा, ''इस कार्यक्रम के तहत हमने रोग की पहचान, जांच, उपचार और सहायक रणनीतियों को त्वरित गति से आगे बढ़ाया है। मुझे लगता है कि यह 100 दिवसीय कार्यक्रम 'टीबी मुक्त भारत' बनाने में मील का पत्थर साबित होगा और इसका दूरगामी प्रभाव होगा।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने क्षय रोग के खिलाफ देश के लंबे संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक समय में टीबी को 'धीमी मौत' माना जाता था। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि टीबी से पीड़ित परिवार के सदस्यों को भी अलग रखा जाता था ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। वर्ष 1962 से क्षय रोग के खिलाफ कई अभियान चलाए गए हैं, लेकिन 2018 में प्रधानमंत्री ने सतत विकास लक्ष्यों की 2030 की समय सीमा से बहुत पहले टीबी को खत्म करने का दृष्टिकोण पेश किया।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ''हमने लक्ष्य हासिल करने के लिए रणनीतियों में बदलाव किया। सेवाओं का विकेंद्रीकरण किया गया है और अब 1,73,000 एएएम (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) में क्षय रोग के मामलों का पता लगाने और उनका इलाज करने की सुविधाएं होंगी।'' नड्डा ने कहा कि 2014 में टीबी का पता लगाने के लिए 120 प्रयोगशालाएं थीं और अब उनकी संख्या बढ़कर 8,293 तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि भारत में टीबी के मामलों में कमी की दर 2015 में 8.3 प्रतिशत से बढ़कर अब 17.7 प्रतिशत हो गई है जो वैश्विक औसत से काफी अधिक है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 साल में भारत में टीबी के कारण होने वाली मौतों में भी 21.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। मंत्री ने कहा, ''1.17 करोड़ से अधिक टीबी रोगियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 3,338 करोड़ रुपए की नि-क्षय सहायता प्रदान की गई है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने हाल में नि-क्षय पोषण राशि को 500 से बढ़ाकर 1,000 रुपए कर दिया है।

जम्मू में रहने वाले रोहिंग्या मुस्लिमों की पानी की आपूर्ति बंद नहीं की जाएगी : जल मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ जारी अभियान के बीच केंद्र शासित प्रदेश के जल मंत्री जावेद अहमद राणा ने शनिवार को कहा कि अवैध आप्रवासियों की झुग्गियों में पानी की आपूर्ति तब तक नहीं रोकी जाएगी जब तक कि केंद्र सरकार उनको वापस भेजने के संबंध में कोई फैसला नहीं ले लेती है।

राणा ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब जम्मू के नरवाल क्षेत्र में तीन भूखंड पर रह रहे रोहिंग्याओं ने दावा किया था कि प्रशासन ने हाल ही में उनकी बिजली और पानी की आपूर्ति रोक दी है। वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री राणा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''सरकार का कर्तव्य है कि वह सभी लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करे। हम मानवीय आधार पर उन्हें (रोहिंग्याओं को) पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे जब तक कि भारत सरकार उनके मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं ले लेती है।'' मंत्री ने कहा कि वह रोहिंग्याओं को पानी की आपूर्ति बंद किए जाने के मुद्दे को अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा, ''किसी को भी पानी की आपूर्ति नहीं रोकी जा सकती। यह सभी की आवश्यकता है। '' मंत्री ने संबंधित विभाग द्वारा रोहिंग्याओं के कुछ भूखंड में कथित तौर पर पानी की आपूर्ति बंद किए जाने पर हैरानी जताई।

हैकर ने मेरे स्मार्टफोन-लैपटॉप हैक किए, क्रिप्टोकरेंसी में हजारों डॉलर मांग की : पित्रोदा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि उनके स्मार्टफोन, लैपटॉप और सर्वर को पिछले कुछ हफ्तों में बार-बार हैक किया गया है और हैकर उन्हें धमकियां दे रहे हैं तथा क्रिप्टोकरेंसी में हजारों डॉलर की मांग कर रहे हैं। पित्रोदा ने एक ईमेल संदेश में कहा, हैकर ने चेतावनी दी है कि अगर भुगतान नहीं किया गया तो वे मेरे नेटवर्क के लोगों से संपर्क करके मेरी प्रतिष्ठा खराब करने के लिए बदनामी और गलत सूचना अभियान चलाएंगे। मेल में लिखा गया है, मैं आपके ध्यान में एक महत्वपूर्ण मामला लाना चाहता हूं। पिछले कुछ हफ्तों में मेरे लैपटॉप, स्मार्टफोन और सर्वर को बार-बार हैक किया गया है और गंभीर रूप से छेड़छाड़ की गई है। परिवार और दोस्तों को संबोधित ईमेल में, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख ने उनसे आग्रह किया कि वे किसी भी अज्ञात मेल आईडी या मोबाइल नंबर से उनके बारे में आने वाले किसी भी ईमेल या संदेश को न खोलें, किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और डाउनलोड न करें।

तेलंगाना : तेज रफ्तार कार के झील में गिर जाने से पांच लोगों की मौत

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के यदाद्रि-भुवनगिरी जिले में एक कार के शनिवार को झील में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस दौरान हुई जब छह युवक हैदराबाद से यदाद्रि-भुवनगिरी जिले की ओर जा रहे थे। उसने बताया कि सभी युवकों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। कार की रफ्तार बहुत तेज थी और एक मोड़ पर चालक द्वारा वाहन पर से नियंत्रण खो देने से वाहन झील में गिर गया। उसने बताया कि कार में मौजूद छह लोगों में से एक व्यक्ति खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकलने में कामयाब रहा, लेकिन अन्य सभी डूब गए।

किसानों ने बजट पूर्व बैठक में सस्ता ऋण, कम कर, पीएम-किसान राशि दोगुनी करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बजट से पहले होने वाली बैठकों के क्रम में किसान प्रतिनिधियों और कृषि हितधारकों के साथ बैठक की। इस दौरान किसानों ने सरकार से सस्ता दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराने, कम कर लागू करने और पीएम-किसान आय सहायता को दोगुना करने का आग्रह किया।

बैठक में दो घंटे तक विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान वित्तीय राहत, बाजार सुधार और रणनीतिक निवेश जैसी कृषि क्षेत्र की कई चुनौतियों का समाधान करने पर विचार किया गया। भारत कृषक समाज के चेयरमैन अजय वीर जाखड़ ने कृषि उत्पादकता और किसान कल्याण को बढ़ावा देने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की जरूरत पर जोर दिया। किसानों की मुख्य मांगों में कृषि ऋणों पर ब्याज दर को एक प्रतिशत तक कम करना और वार्षिक पीएम-किसान किस्त को 6,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए करना शामिल था। हितधारकों ने इसके अलावा कराधान सुधार प्रस्तावों के तहत कृषि मशीनरी, उर्वरक, बीज और दवाओं पर जीएसटी छूट की मांग की। पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कीटनाशक पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने का अनुरोध किया। जाखड़ ने राष्ट्रीय कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए चना, सोयाबीन और सरसों जैसी विशिष्ट फसलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आठ वर्षों के लिए सालाना 1,000 करोड़ रुपए की लक्षित निवेश रणनीति का प्रस्ताव रखा। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने एमएसपी तंत्र की व्यापक समीक्षा की मांग की।

'हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार सबसे अक्षम और भ्रष्ट है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऊना (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हमीरपुर से सांसद और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार को आजादी के बाद से राज्य की ''सबसे अक्षम और भ्रष्ट सरकारों'' में से एक करार दिया।

ठाकुर ने कांग्रेस पर सत्ता हासिल करने के लिए ''झूठे वादे'' करने का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां भाजपा की 'आक्रोश रैली' को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं को बंद कर दिया। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले ''झूठे वादे'' करके लोगों को ''धोखा'' देने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा।

ठाकुर ने कहा, ''18 से 59 आयु वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपए और पांच लाख नौकरियों देने का वादा तो भूल जाइए क्योंकि सरकारी नौकरियों में भी लोगों को समय पर वेतन और पेंशन नहीं दी जा रही।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कोविड काल के दौरान भर्ती किए गए चिकित्सा कर्मचारियों को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया और 'इंटर्नशिप' कर रहे लोगों को अपने वेतन के लिए चार महीने तक इंतजार करना पड़ा। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कारण हिमाचल प्रदेश को शर्मसार होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली पर उपकर लगाया गया है, पानी पर अधिशुल्क लगाया गया है और राशन के दाम कई गुना बढ़ गए हैं।

ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'खटाखट-खटाखट' मॉडल को महाराष्ट्र और हरियाणा में बेकार घोषित कर दिया गया और लोगों ने भाजपा को वोट दिया। राज्यसभा सदस्य और भाजपा नेता सिकंदर कुमार ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में आई थी तो लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन आज सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक भी नाखुश हैं। उन्होंने दावा किया कि समाज का हर वर्ग इस सरकार से परेशान है।

इस अवसर पर ऊना सदर से विधायक सतपाल सत्ती, पूर्व विधायक राजेश शर्मा, चैतन्य शर्मा, देवेंद्र भुट्टो, बलबीर चौधरी, पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर और अन्य भाजपा नेता भी मौजूद थे।

दिल्ली: केजरीवाल ने कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा पर निशाना साधा, कहा 'मुद्दे का राजनीतिकरण न करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

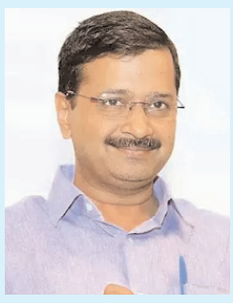

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के बजाय उन्हें लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए।

दिल्ली में अगले वर्ष फरवरी में विधानसभा चुनाव होना है और पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने सुबह की सैर के दौरान एक व्यवसायी की गोली मारकर हत्या, पंचशील एन्क्लेव में एक बुजुर्ग की हत्या और जबरन वसूली की बढ़ती घटनाओं सहित कई हिंसक घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

केजरीवाल ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, लोग घबराए हुए हैं और कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। बुजुर्ग डरे हुए हैं, महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं और गैंगवार हो रही है। दिल्ली के हर कोने में मादक पदार्थ बिक रहे हैं। दिल्ली पुलिस कहां है? गृह मंत्री कहां हैं? उन्होंने कुछ अपराधों के पीछे रोहिंग्याओं का हाथ होने के भाजपा के दावे पर कहा, अगर वे रोहिंग्या हैं, तो गृह मंत्री ने उन्हें म्यांमा और बांग्लादेश की सीमाओं पर क्यों नहीं रोका? और अगर वे दिल्ली में घुस आए हैं तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया? इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के बजाय, उन्हें दिल्ली के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी ने पहले भी 'आप' पर राजनीतिक लाभ के लिए आपराधिक तत्वों को बचाने का आरोप लगाकर आरोपों का जवाब दिया है। केजरीवाल ने हालांकि, तर्क दिया कि इस तरह के दावे लोगों का ध्यान सार्वजनिक सुरक्षा के अहम मुद्दे से भटकाने की कोशिश है।

युवाओं को हिंदी को वैश्विक भाषा के रूप में बढ़ावा देना चाहिए : केंद्रीय मंत्री सोनोवाल

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा का 83वां दीक्षांत समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। युवाओं को हिंदी का राजदूत बनना होगा और इसे वैश्विक भाषा के रूप में बढ़ावा देना होगा। केंद्रीय पत्तन, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को चेन्नई में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के 83 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी फिल्मों की लोकप्रियता के कारण हिंदी ने दुनिया भर के लोगों का दिल जीत लिया है।

मंत्री ने कहा कि दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना महात्मा गांधी द्वारा वर्ष 1942 में की गई थी और यह संस्था दक्षिण भारत के विभिन्न भागों में भाषा को बढ़ावा देने की अपनी यात्रा जारी रखे हुए है।

उन्होंने कहा कि हिंदी ने देश में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं को अपनाया है और यह भारत की अखंडता और संप्रभुता को बढ़ावा देने वाली एक महान एकीकृत कारक है। उन्होंने कहा कि भाषा में बहुत शक्ति और मानवीयता होती है और इसे बढ़ावा देने के लिए युवाओं में प्रतिबद्धता होनी चाहिए। देश के विभिन्न भागों में लोगों द्वारा बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी भारतीय भाषाएँ भारत के चरणों में जन्मी हैं। उन्होंने कहा कि बोली जाने वाली विभिन्न भाषाएँ एक भारत श्रेष्ठ भारत की आधारशिला हैं।

दीक्षांत समारोह में चेन्नई, केरल के दक्षिणी राज्यों के रैंक धारकों को सम्मानित किया गया और चेन्नई के वरिष्ठ प्रचारकों को दक्षिणी राज्यों में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। प्रवीण और विशारद परीक्षा में 8000 से अधिक छात्रों को उनकी उपाधियाँ प्राप्त हुईं। दीक्षांत समारोह में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष वी. मुरलीधरन मुख्य अतिथि थे।

जनता की शक्ति ही ईश्वरीय शक्ति है : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अभिनेता विजय को लॉटरी के पैसे से वित्तपोषित कार्यक्रमों से जुड़ी राजनीतिक योजनाओं को पहचानना चाहिए जो गरीबों का शोषण और धोखा करती हैं। उन्हें तमिलनाडु में डॉ. बीआर अंबेडकर के सिद्धांतों, विचारधाराओं और जीवन शैली का प्रचार करने के लिए अच्छे लोगों के साथ हाथ मिलाना चाहिए। विजय को गुमराह नहीं होना चाहिए, जैसा कि थिरुमावलवन के मामले में हुआ था।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों में तमिलनाडु के लोगों को राज्य के विकास को प्राथमिकता देने के लिए सतर्कता से काम करना चाहिए। उन्हें भ्रष्ट पार्टियों, वंशवादी राजनीति और सांप्रदायिक, विभाजनकारी या अलगाववादी विचारधाराओं से प्रेरित संगठनों को खारिज करना चाहिए। खासकर, जनता को ऐसे राजनीतिक आंदोलनों को खारिज करना चाहिए जो लॉटरी घोटालों के माध्यम से गरीबों से चुराई गई अवैध संपत्ति पर फलने-फूलने वाले कॉर्पोरेट राजनेताओं का समर्थन करते हैं। इन लॉटरी दिग्गजों ने तमिलनाडु में कई गरीब परिवारों को जीवित रहने के लिए संघर्ष करना पड़ा है।

उन्होंने बताया कि विकटन पब्लिकेशन्स और वॉयस ऑफ कॉमन द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम लीडर फॉर ऑल: अंबेडकर में, एक प्रमुख लॉटरी कंपनी के मालिक अधव अर्जुन के बारे में एक वीडियो दिखाया गया। वीडियो में 2021 के विधानसभा चुनावों में उनकी भूमिका को सूक्ष्मता से उजागर किया गया, जहां उन्होंने डीएमके की जीत को सुगम बनाने के लिए प्रशांत किशोर और आई-पीएसी संगठन के साथ काम किया। इसने सुझाव दिया कि अधव अर्जुन ने वर्तमान डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो भ्रष्टाचार और जनविरोधी शासन से चिह्नित है।

उन्होंने कहा कि भाजपा भारत में कहीं भी वंशवादी राजनीति और राजशाही जैसी शासन व्यवस्था के खिलाफ है। तमिलनाडु में हमारा मिशन द्रमुक के भ्रष्ट, वंशवादी शासन को खत्म करना और भाजपा के नेतृत्व में विकासोन्मुखी शासन की शुरुआत करना है। भाजपा तमिलनाडु के अध्यक्ष अन्नामलाई की 'एन मैन, एन मक्कल' (मेरी भूमि, मेरे लोग) पहल ने मतदाताओं को जागृत किया है, जैसा कि पिछले संसदीय चुनावों में भाजपा गठबंधन को मिले 18.57 वोट शेयर से पता चलता है। आगामी 2026 विधानसभा चुनावों में, तमिलनाडु के संसाधनों को खत्म करने वाले ऑक्टोपस की तरह काम करने वाले डीएमके को हराने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन उभरना चाहिए। तमिलनाडु के लोग राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के स्वर्णिम युग के लिए उत्सुकता से प्रार्थना कर रहे हैं। वे भाजपा और कमल के प्रतीक को वोट देने के अवसर का इंतजार कर रहे हैं, जो आशा और समृद्धि का प्रतीक बन गए हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई के नेतृत्व में भाजपा जनविरोधी डीएमके शासन को हटाने के अपने मिशन को पूरा करेगी। 2026 में तमिलनाडु राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार की स्थापना का गवाह बनेगा।

अगर हम तृणमूल में शामिल होते हैं तो 'कठोर कम्युनिस्ट रुख' अपनाना होगा : विधायक अनवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में नीलांबर सीट से निर्दलीय विधायक पी. वी. अनवर ने शनिवार को कहा कि यदि उनका सामाजिक समूह डेमोक्रेटिक मूवमेंट ऑफ केरल (डीएमके) तृणमूल कांग्रेस में शामिल होता है तो राज्य में कठोर 'कम्युनिस्ट विरोधी रुख' अपनाया जाएगा। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अनवर से नाता तोड़ लिया है। अनवर ने कहा कि यदि उनका समूह केरल में कड़ा वाम विरोधी रुख अपनाता है तो इसके लिए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि यदि उनका समूह तृणमूल में शामिल हो जाता है तो यह फासीवाद विरोधी और कम्युनिस्ट विरोधी हो जाएगा।

अनवर ने कहा, यदि हम तृणमूल कांग्रेस में शामिल होते हैं तो हमें भी उनके जैसा ही रुख अपनाना होगा। वह दोनों ही फासीवाद विरोधी और कम्युनिस्ट विरोधी है। इसलिए हमें भी कड़ा वाम विरोधी रुख अपनाना होगा। उन्होंने कहा, इसके बाद हम देखेंगे कि इससे किसे नुकसान होगा और किसे फायदा होगा। मैं इसके लिए जिम्मेदार नहीं हूं। इसके लिए पिनराई विजयन जिम्मेदार होंगे। माकपा ने वामपंथी पार्टी, विजयन और उनके कुछ करीबी विश्वासपात्रों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के बाद अनवर से नाता तोड़ लिया था। इसके बाद से अनवर तृणमूल से जुड़ने के लिए चर्चा कर रहे हैं।

दक्षिण रेलवे ने राजभाषा उत्सव का समापन समारोह मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजभाषा उत्सव का समापन समारोह 6 दिसंबर को दक्षिण रेलवे मुख्यालय में दक्षिण रेलवे के अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई, जिसमें उत्सव के तहत आयोजित गायन प्रतियोगिता के विजेताओं ने प्रस्तुति दी। अपने मुख्य भाषण में कौशल किशोर ने प्रतिभागियों की सराहना की और विविध भाषाई परिदृश्यों में संपर्क माध्यम के रूप में राजभाषा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों से आग्रह किया कि वे इसे अपनाने में अपना योगदान बढ़ाएं।

मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर शैलेश कुमार तिवारी ने प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने में निरंतर उत्साह बनाए रखने का आग्रह किया।

वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी बिनीता सोय ने राजभाषा के प्रशिक्षण, अनुवाद एवं कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राजभाषा के प्रयोग में उत्कृष्टता के लिए यांत्रिक, परिचालन और भण्डार विभागों को अंतर-विभागीय रोलिंग शील्ड प्रदान की गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

पोप फ्रांसिस की भारत यात्रा 2025 के बाद संभावित : कुरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने शनिवार को कहा कि पोप फ्रांसिस की बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा 2025 के बाद होने की संभावना है, जिसे कैथोलिक चर्च द्वारा ''जुबली वर्ष'' के रूप में घोषित किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत पहले ही पोप को आधिकारिक तौर पर आमंत्रित कर चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें सीधे निमंत्रण दिया था। कुरियन ने एशियानेट चैनल से कहा कि बाकी मामले और प्रक्रियाएं वेटिकन द्वारा तय की जानी हैं तथा यात्रा पोप फ्रांसिस की सुविधा के अनुसार निर्धारित की जाएगी। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री कुरियन उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जो शनिवार को पोप फ्रांसिस द्वारा कार्डिनल के रूप में आर्कबिशप जॉर्ज जैकब कूवाकाड का अभिषेक किए जाने संबंधी समारोह में भाग लेने के लिए वेटिकन पहुंचा। केरल के कूवाकाड 2020 से पोप फ्रांसिस के अंतरराष्ट्रीय दौरों का काम संभाले हुए हैं और वह कार्डिनल के पद पर पदोन्नत 21 पादरियों में से एक होंगे। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और ईसाई समुदाय पोप फ्रांसिस की भारत यात्रा को लेकर आशान्वित हैं। इस साल जून में दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के एक सत्र के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पोप फ्रांसिस को भारत आने के लिए आमंत्रित किया था।

उप-पंजीयक को आग लगाने की कोशिश के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

कन्याकुमारी। तमिलनाडु के कन्याकुमारी में एक उप-पंजीयक को आग लगाने की कोशिश करने के आरोप में 54 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यहां शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उप पंजीयक आरोपी का काम पूरा करने में कथित तौर पर देरी कर रहा था और इसी से परेशान होकर उसने यह हमला करने की कोशिश की। उसने बताया कि आरोपी ने यहां उप-पंजीयक के कार्यालय में अचानक उन पर और मेज पर रखे कागजों पर पेट्रोल डाल दिया। इसके बाद उसने अधिकारी पर जलती हुई माचिस फेंकी, हालांकि आग नहीं लगी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ''हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसने आरोप लगाया कि अधिकारी को उसके एक दस्तावेज में कुछ सुधार करना था, लेकिन उन्होंने इसे पूरा करने में बहुत देरी की।'' उन्होंने बताया कि इस घटना के लिए कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

वायनाड में एसडीएमए के पुनर्वास कोष संबंधी आंकड़े गलत : केरल उच्च न्यायालय

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने शनिवार को राज्य सरकार और इसके आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) की आलोचना करते हुए कहा कि वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के संबंध में उनके धन संबंधी ''आंकड़े गलत'' हैं। न्यायमूर्ति ए. के. जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति मोहम्मद नियास सीपी की पीठ ने यह भी सवाल किया कि कोष प्रबंधन में महीनों की देरी क्यों हो रही है। इसने कहा कि यह एक और आपदा में बदल रहा है। पीठ ने कहा कि केंद्र से सहायता मांगते समय राज्य सरकार को सटीक आंकड़े उपलब्ध कराने चाहिए।

अदालत ने उल्लेख किया कि आंकड़े सटीक नहीं है और कोष का प्रबंधन ठीक से नहीं किया जा रहा। इसने सरकार और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) को धन के संबंध में सटीक आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने निर्देश दिया कि पुनर्वास के लिए राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) में 677 करोड़ रुपये से आवंटित राशि, खर्च की गई राशि और आवश्यक राशि के आंकड़े अदालत के समक्ष रखे जाने चाहिए। राज्य सरकार ने अदालत से कहा कि वह पीठ द्वारा मांगा गया विवरण बृहस्पतिवार को मुहैया कराएगी।

केरल सरकार के पास छुपाने को कुछ नहीं : मंत्री चेरियन ने हेमा समिति रिपोर्ट पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने शनिवार को दावा किया कि केरल सरकार के बिजली शुल्क को बढ़ाने के फैसले की वजह से केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) को भारी नुकसान हुआ है और सरकार का मकसद राज्य में बिजली खरीद प्रणाली में अदाणी समूह को शामिल कर कारोबारी समूह को लाभ पहुंचाना है।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने आरोप लगाया कि 2016 में यूडीएफ सरकार के दौरान हुए पांच रुपये प्रति यूनिट से कम दरों पर विद्युत खरीद के दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते को वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया ताकि अदाणी को इस (प्रणाली में) आने का मौका मिल सके। दोनों नेताओं ने कहा कि अनुबंध समाप्ति के परिणामस्वरूप केएसईबी को पहले की तुलना में दो से तीन गुना अधिक दरों पर बिजली खरीदनी पड़ी, जिससे बोर्ड पर भारी कर्ज हो गया और आम लोगों को बिजली शुल्क के रूप में हजारों करोड़ रुपये का बोझ उठाना पड़ा। सतीशन ने दावा किया कि राज्य सरकार के फैसले के कारण केएसईबी का कर्ज यूडीएफ शासन के दौरान लगभग 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। केरल सरकार ने शुक्रवार को पांच दिसंबर से प्रभावी 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए बिजली दरों में 16 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की घोषणा की थी, जिसके बारे में पूछे गये एक सवाल पर कांग्रेस नेता जवाब दे रहे थे। इसके अलावा 2025-26 वित्तीय वर्ष में बिजली दरों में 12 पैसे प्रति यूनिट की अतिरिक्त वृद्धि की जानी है। चेन्नीथला ने वृद्धि को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि सरकार के इस कदम से यह स्पष्ट हो गया है कि वह बिजली उत्पादक कंपनियों, खासकर अदाणी के साथ मिलीभगत कर रही है। उन्होंने दावा किया, इस कदम के सबसे बड़ा लाभार्थी अदाणी हैं। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य अदाणी को केरल में बिजली खरीद प्रणाली में लाना है।

चेन्नीथला ने यह भी कहा कि उन्हें आशंका है कि इन कदमों का उद्देश्य केएसईबी को भारी कर्ज के जाल में धकेलकर उसका निजीकरण करना है। उन्होंने कहा कि अब सरकार 10 से 14 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद रही है, जिससे केएसईबी को रोजाना 12 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। चेन्नितला ने यह भी आरोप लगाया कि बिजली नियामक आयोग के कुछ सदस्य जिन्होंने दीर्घकालिक अनुबंध को रद्द किया था, वे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के करीबी लोग थे। उन्होंने कहा, यह बहुत बड़ा भ्रष्टाचार है। यह केरल के लोगों को लूटने और अदाणी को लाभ पहुंचाने के लिए लिया गया गलत निर्णय है। इसलिए सरकार को इसे वापस लेना चाहिए।

सबरीमला में अप्पम' और अरवण' की बिक्री बढ़कर करीब 60 करोड़ रुपये हुई

पत्तनमथिट्टा/भाषा। केरल में भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध सबरीमला मंदिर के कपाट मंडलम-मकरविलक्कु तीर्थयात्रा सत्र के लिए खुलने के शुरुआती 20 दिनों में प्रमुख प्रसाद 'अरवण' और 'अप्पम' की बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) के मुताबिक 16 नवंबर से पांच दिसंबर तक 60,54,95,040 रुपये के प्रसाद की बिक्री हुई। बोर्ड द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान हुई 42,20,15,585 रुपये की बिक्री की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। बोर्ड ने बताया कि इस साल अकेले 'अरवण' की बिक्री 54,37,00,500 रुपये रही, जबकि 'अप्पम' की बिक्री 6,17,94,540 रुपये रही। विज्ञप्ति के मुताबिक इस प्रकार पिछले साल के मुकाबले इन दोनों प्रसादों की बिक्री से पिछले वर्ष की तुलना में कुल 18,34,79,455 रुपये की वृद्धि हुई है। टीडीबी के अनुसार, प्रसाद की बिक्री सन्निधानम में 'अझी' (अग्निस्थान) के पास 10 काउंटर और मलिकप्पुरम मंदिर के पास आठ काउंटरों के माध्यम से की जा रही है।

इस बीच, सबरीमला मंदिर में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। टीडीबी अधिकारियों के अनुसार, शनिवार दोपहर एक बजे तक 49,819 भक्तों ने भगवान अयप्पा के दर्शन किए। सबरीमला की दो महीने की वार्षिक यात्रा मंडलम-मकरविलक्कु 16 नवंबर को शुरू हुई जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

केरल सरकार ने अदाणी को 'लाभ पहुंचाने' के लिए बिजली दरें बढ़ाईं : यूडीएफ

कोझिकोड/भाषा। केरल के संस्कृति मंत्री साजी चेरियन ने शनिवार को कहा कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और राज्य सरकार इसकी सिफारिशों को लागू कर रही है।

रिपोर्ट में, मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के साथ होने वाले ''उत्पीड़न और यौन शोषण'' को उजागर किया गया है। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने अदालती निर्देशों का सख्ती से पालन किया तथा केवल (रिपोर्ट) के उन हिस्सों को छोड़ दिया है जिन्हें राज्य सूचना आयोग ने जारी न करने की सिफारिश की थी।

चेरियन ने कहा, ''यह मामला फिलहाल उच्च न्यायालय में है और यदि न्यायालय या सूचना आयोग निर्देश देता है कि इन अंशों को सार्वजनिक किया जाए तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है।'' उन्होंने सिनेमा में महिलाओं के समक्ष आने वाले मुद्दों के समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और कहा कि पहली बार भारत में ऐसी समिति गठित की गई है। मंत्री ने कहा, हमने रिपोर्ट के संबंध में राज्य सूचना आयोग द्वारा निर्देशित सभी जानकारी का खुलासा कर दिया है और सब कुछ पारदर्शी है।

उन्होंने कहा कि सरकार फिल्म नीति सहित हेमा समिति की सिफारिशों को लागू कर रही है। उन्होंने कहा, सरकार एक फिल्म नीति का मसौदा तैयार करेगी। वर्ष 2017 में अभिनेत्री पर हमला मामले के बाद केरल सरकार ने न्यायमूर्ति हेमा समिति का गठन किया था तथा इसकी रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और यौन शोषण के मामलों को उजागर किया गया।

नौकरियों के पीछे भागने के बजाय युवा रोजगार देने वाले बनें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त युवा नौकरियों के पीछे भागने की बजाय रोजगार देने वाले बने। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के केन्द्र होते हैं। इनमें विद्यार्थियों को केवल पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन ही नहीं कराया जाए बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़े, उनमें उद्यमिता की प्रवृति का कैसे विकास हो, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। राज्यपाल बागड़े शनिवार को महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है।

वह शिक्षा ही सार्थक है जो जीवन को बेहतर ढंग से जीने की राह दिखाए। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा समाज सेवा और स्त्री शिक्षा में दिए योगदान को याद करते हुए कहा कि वे युग पुरुष थे। ऐसे समय में जब नारी शिक्षा से समाज दूर था, उन्होंने कन्या विद्यालय खोला। अपनी पत्नी को पढ़ाया और उन्हें देश की पहली महिला शिक्षक बनाया। उन्होंने ज्योतिबा फुले के आदर्शों को अपनाते शिक्षा प्रसार के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

बागड़े ने सरकार के साथसाथ निजी क्षेत्र को भी शिक्षा प्रसार में महती भूमिका निभाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा में नैतिकता और आदर्श जीवन मूल्य बहुत जरूरी है।

महापुरूषों की जीवनीयां हमें सदा प्रेरणा देती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अर्जित शिक्षा का उपयोग राष्ट्र विकास के लिए किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने देश की नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि यह समाज के हर वर्ग को बगैर किसी भेदभाव के गुणवत्ता की वैश्विक स्तर की शिक्षा देने से जुड़ी है। उन्होंने राष्ट्र प्रथम है' सोच के साथ विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने पर जोर दिया। आरम्भ में उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए। विश्वविद्यालय के चांसलर निर्मल पंवार ने विश्वविद्यालय के बारे में और भावी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

'राइजिंग राजस्थान' से रोजगार के अवसर पैदा होंगे : शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि जयपुर में अगले हफ्ते प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन से राज्य में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए दस दिन तक प्रत्येक दिन एक नया संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शनिवार को दसवां संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में राज्य के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के साथ ही रोजगार के अवसर भी सृजित किए जाएंगे।

इसके अनुसार शर्मा ने कहा कि राज्य के कुशल युवाओं को सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित होकर काम कर रही है। तीन दिवसीय राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन सोमवार से जयपुर में शुरू होने जा रहा है।

किशनगढ़ को विकास की सौगातों के लिये आमजन ने केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी को दिया धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगढ़ (अजमेर)। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री एवं अजमेर लोकसभा सीट से सांसद भागीरथ चौधरी के संसदीय क्षेत्र किशनगढ़ स्थित निवास स्थान पर शनिवार को जनसुनवाई के दौरान आमजन ने किशनगढ़ को विकास परियोजनाओं की सौगात दिलाने के लिये चौधरी का आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई के दौरान चौधरी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और क्षेत्र के नागरिकों से आत्मीय मुलाकात करके उनकी समस्यायें सुनीं। क्षेत्रीय विकास, आधारभूत सुविधाओं, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर आई शिकायतों और सुझावों को उन्होंने गंभीरता से लिया।

स्थानीय सांसद चौधरी ने संबंधित अधिकारियों से संवाद करके इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की सेवा और विकास के लिये उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा। हर समस्या को प्राथमिकता के साथ हल करना उनका कर्तव्य है। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने उनकी नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए किशनगढ़ के विकास के लिये उनके योगदान की प्रशंसा की।

विशेष रूप से वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव, ईएसआईसी अस्पताल के लिये भूमि आवंटन स्वीकृति और तीन ओवरब्रिज की परियोजनाओं को लेकर जनता ने उन्हें धन्यवाद दिया।

'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट' में राज्य के विकास के नए मानक स्थापित करने की क्षमता : आरएएनए

न्यूयॉर्क/जयपुर। राजस्थान में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट' का प्रवासी भारतीय समुदाय के एक प्रमुख सदस्य ने स्वागत किया है। इस वैश्विक निवेशक सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस दौरान वैश्विक निवेशकों के लिए पर्यटन, सौर ऊर्जा, खनन और कपड़ा क्षेत्रों में राज्य की क्षमता को रेखांकित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी सीतापुरा में जयपुर प्रदर्शनी सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में 9-11 दिसंबर तक चलते वाले 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' का उद्घाटन करेंगे। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएएनए) के अध्यक्ष और न्यूयॉर्क स्थित सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम भंडारी ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा को बताया, इस शिखर सम्मेलन में राजस्थान के विकास के लिए नए मानक स्थापित करने की क्षमता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर 'विंटेज जीप रैली' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सशस्त्र सेना झंडा दिवस-2024 के अवसर पर सैनिक कल्याण विभाग द्वारा राजस्थान जीप क्लब के सहयोग से शनिवार को जयपुर में 'विंटेज जीप रैली' का आयोजन किया गया। राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर ने अल्बर्ट हाल से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व बाजौर ने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता, बलिदान एवं जाबां सैनिकों के सम्मान का पर्व हैं, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों को भी दांव पर लगा दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से देश की युवा पीढ़ी हमारे शूरवीरों के अदम्य साहस और सशस्त्र बलों के इतिहास से परिचित होती है।

सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष ने आमजन से आह्वान किया कि देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले इन रणबांकुरों, पूर्व और सेवारत सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याणार्थ हरसंभव सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान से जुड़कर प्रदेशवासी राष्ट्र के लिए समर्पित सैनिकों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर सकते है।

सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि करीब 24 विंटेज जीपों में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, एनसीसी स्वयंसेवक व कार्मिक इस रैली में शामिल हुए। समारोह में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद् के अध्यक्ष मेजर जनरल अनुज माथुर, राजस्थान स्टेट एक्स सर्विसेज लीग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एसपीएस कटेवा, सूबेदार अर्जुन सिंह ने भाग लिया।

राजस्थान में होगी 9 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश में 85 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए इस ऐतिहासिक निर्णय से राजस्थान में भी 9 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना होगी, जिससे प्रदेश में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह अभूतपूर्व निर्णय 'शिक्षित भारत, विकसित भारत' के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही, इससे भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार, शैक्षिक अवसंरचना के विकास एवं युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

शिक्षा विभाग में एक लाख से ज्यादा रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। यहां पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान उनके सवालों के जवाब दिए। भाजपा नेता मदन दिलावर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पूरे प्रदेश में राइजिंग राजस्थान के तहत बड़ा निवेश प्रदेश को मिला है। राजस्थान में कोई भी सरकार रही हो, लेकिन इतना बड़ा निवेश पहले कभी नहीं मिला। अभी तक 20 लाख करोड़ के एमओयू हो चुके हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में यह आंकड़ा 25 लाख करोड़ तक जाएगा। इससे राजस्थान में ना सिर्फ निवेश बढ़ेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा। पंचायती राज चुनाव को लेकर मंत्री दिलावर ने कहा कि पंचायती राज चुनाव को लेकर फैसला मंत्रिमंडल में जल्द लिया जाएगा। इसके बाद ही पंचायती राज चुनाव की स्थिति साफ होगी कि चुनाव कब और किस तरह करवाए जाएंगे।

मदन दिलावर ने शिक्षा विभाग में रोजगार को लेकर कहा कि शिक्षा विभाग में एक लाख से ज्यादा पद रिक्त हैं। रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट घोषणा में चार लाख रोजगार की घोषणा की है, इसमें डेढ़ से दो लाख भर्तियां शिक्षा विभाग में की जाएगी। राजस्थान में धर्मांतरण के बिल को लेकर मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि इसके के लिए मुख्यमंत्री का में धन्यवाद करता हूं कि इस तरह का बिल लेकर आए। इसकी सैद्धांतिक स्वीकृति मंत्रिमंडल में मिल चुकी है। अब सदन में इसकी चर्चा की जाएगी बिल पारित सदन में किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि सहमति से धर्म परिवर्तन करने के लिए जिस तरह से उत्तर प्रदेश में कानून है कि दोनों को जिला कलेक्टर को एक महीने पहले अर्जी देनी होती है, उनके सामने पेश होना पड़ता है। जिला कलेक्टर द्वारा दिए निर्देश के आधार पर निर्णय होता है।

सौ दिवसीय टीबी मुक्त अभियान का शुभारम्भ, प्रदेश के 5 जिलों में आयोजित होंगे निक्षय शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शनिवार को एसएमएस अस्पताल के अकादमिक सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में टीबी मुक्त भारत के लिए 100 दिवसीय अभियान का शुभारम्भ किया। यह अभियान राज्य के 5 जिलों बारां, कोटा, झालावाड़, हनुमानगढ़ और राजसन्द जिलों में संचालित किया जाएगा। इसके तहत 100 दिवस तक निक्षय शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

श्रीमती राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि यह अभियान देश एवं प्रदेश को टीबी मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आगामी साढ़े तीन माह तक प्रदेशभर में सघन अभियान चलाकर राज्य में सर्वे से छूटे रोगियों को चिन्हित कर उपचारित किया जाएगा। साथ ही, 15 दिसम्बर से आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर में भी टीबी मुक्त भारत से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि टीबी मुक्ति के कार्यक्रम से संबंधित सभी अधिकारीकार्मिक एवं निक्षय मित्र जनभागीदारी के साथ इस अभियान को सफल बनाएं। हमारे प्रयास हों कि राजस्थान टीबी मुक्त अभियान में सबसे आगे रहे। एनजीओ एवं स्वयं सेवी संगठनों की भी इस कार्य में अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि रोगियों को टीबी की दवा आपूर्ति में किसी तरह का अवरोध नहीं हो।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक श्रीमती भारती दीक्षित ने कहा कि हम सब एकजुट होकर प्रयास करेंगे तो टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल कर सकेंगे। नि-क्षय मित्रों द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि जिन रोगियों का लम्बी अवधि का उपचार चल रहा है, उन्हें विशिष्ट देखभाल की आवश्यकता है। कार्यक्रम में क्षय उन्मूलन जागरूकता हेतु पोस्टर का विमोचन किया गया एवं नि-क्षय मित्रों द्वारा क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार वितरण किया गया। नि-क्षय मित्रों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया एवं टीबी रोग उन्मूलन की शपथ दिलाई गई।

उल्लेखनीय है कि यह अभियान भारत के 347 जिलों में आयोजित किया जा रहा है, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर शुभारम्भ केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा पंचकूला, हरियाणा में किया गया। राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों/प्रतिभागियों ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मिशन निदेशक शाहीन अली खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत राणावत, परियोजना निदेशक श्रीमती तूलिका सैनी, राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. पुरूषोत्तम सोनी, उप राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. इन्द्रजीत सिंह सहित विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि एवं डवलपमेंट पार्टनर उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान समिट में रूमा देवी का होगा उद्बोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राइजिंग राजस्थान में राजस्थान सरकार द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता व राजीविका की ब्रांड एंबेसडर रूमा देवी को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। समिट के तहत 'हर स्टोरी: एडवांसिंग इंक्लूसिव सोसाइटीज' थीमैटिक सेशन रखा जा रहा है। 9 दिसंबर को होने वाले इस सत्र में भारत की प्रमुख औद्योगिक कंपनियों जैसे वेदांता, किर्लोस्कर सिस्टम्स, वेलस्पन लिविंग की लीडरशिप टीम को टीम की प्रमुख महिला सख्शियतें अपने अनुभव साझा करेगी। गौरतलब है कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी के सीतापुरा स्थित जेईसीसी ग्राउंड पर होगा। जहां 6 देशो के प्रतिनिधियों के साथ देश के प्रमुख उद्योगपति व सीएमडी, सीईओ शिरकत करने वाले हैं।

इस समिट में राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण व नेतृत्व को बढावा देने के लिए सामाजिक व कारोबारी जगत में सफल महिला नेतृत्व में शुमार महिला सशक्तीकरण की प्रतीक सामाजिक कार्यकर्ता व अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर रूमा देवी, वेदांता समूह की वाइस चेयरपर्सन और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल, किर्लोस्कर सिस्टम्स की चेयरपर्सन व मैनेजिंग डायरेक्टर अंजलि विक्रम किर्लोस्कर, वेलस्पन लिविंग की सीईओ दीपाली गोयनका, ओमान क्रिकेट की स्पॉन्सरशिप और मार्केटिंग प्रमुख ऋचा शर्मा जैसी प्रतिष्ठित हस्तियां राज्य सरकार द्वारा बतौर राज्य अतिथि आमंत्रित हुई है।

रूमा देवी फाउंडेशन की प्रवक्ता अनीता ने बताया कि सरकार महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान राइजिंग में विशेष सत्र का आयोजन करवा रही है। रूमा देवी 9 दिसंबर को प्रातः उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहेगी जहां माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ग्लोबल सबमिट का उद्घाटन किया जाएगा। जिसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे हर स्टोरी सेशन में रूमा देवी बतौर वक्ता अपने अनुभव रखेगी। इसी तरह राजस्थान राइजिंग में होने वाली विशेष सांस्कृतिक संध्या में वो शिरकत करेगी।

शिक्षा और खेल में चमके सितारों का अभिनंदन

बहरोड़/दक्षिण भारत । शहीद हरिपाल यादव उच्च माध्यमिक विद्यालय, जखराना में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 40 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केंद्रीय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में टॉप करने वाले 35 विद्यार्थी, 4 प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर के चैंपियन खिलाड़ी, और नीट परीक्षा में टॉप करने वाले एक मेधावी शामिल थे।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे राजकुमार यादव (आईआरएस, जॉइंट डायरेक्टर, ईडी, भारत सरकार) ने बच्चों को प्रेरणा देते हुए कहा, सपने बड़े देखो और उन्हें पाने के लिए मेहनत से पीछे मत हटो। कार्यक्रम में डॉ. शानु राजकुमार, प्रदेश प्रवक्ता, महिला मोर्चा, भाजपा ने विद्यालय के 250 विद्यार्थियों को स्वेटर और जूते प्रदान करने की घोषणा की, जो उनकी समाजसेवा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. शानु राजकुमार, विष्णु दत्त स्वामी, सुरेश मेहता (ट्रांसपोर्टर), कर्नल सत्यपाल, मधुसूदन शर्मा, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमामयी बनाया। कार्यक्रम के संयोजक सूरजभान मेहरा और अध्यक्ष विजय सिंह यादव (प्रधानाचार्य) ने पूरे आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित किया। मंच संचालन रमेश यादव (प्रधानाचार्य) ने कुशलतापूर्वक किया। यह समारोह न केवल बच्चों की मेहनत का सम्मान था, बल्कि गांव और विद्यालय के लिए गौरव का पल भी।

जयपुर के विद्याधर नगर इलाके में घुसा लेपर्ड

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के विद्याधर नगर में लेपर्ड आने से हड़कंप मच गया है। तेंदुआ इलाके के सीपीडब्ल्यूडी गार्डन में पौधों के पीछे दिखाई दिया।

सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। करीब 4 घंटे तक स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल रहा। सूचना मिलने पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लेपर्ड को ट्रैंकुलाइज करने का ऑपरेशन चलाया।

पाली में लापता बच्चे का शव मिला

जयपुर।राजस्थान के पाली शहर में मंगलवार को लापता हुए ढाई साल के एक बच्चे का शव मिला है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बच्चे का शव शुक्रवार शाम को उसके घर से कुछ दूर नाले में मिला। पुलिस ने बताया, मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि बच्चे का शव नाले में है। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला गया।

विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए राष्ट्रपति के तौर पर कई बार ओडिशा का दौरा किया : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांगिरीपोसी (ओडिशा)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि उन्होंने विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रोटोकॉल तोड़कर ओडिशा और अपने पैतृक जिले मयूरभंज जिले का कई बार दौरा किया है।

मुर्मू राज्य की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन यहां तीन नई रेलवे लाइनों के अलावा एक आदिवासी अनुसंधान एवं विकास केंद्र, दंडबोस हवाई अड्डे और रायरंगपुर में उप-मंडलीय अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रही थीं। मुर्मू ने कहा, ''आमतौर पर राष्ट्रपति के तौर पर अपने राज्य और जिले का दौरा करने का प्रावधान नहीं है। हालांकि, मैंने प्रोटोकॉल तोड़ दिया और इस क्षेत्र के लोगों की कठिनाइयों के कारण बार-बार यहां का दौरा किया। इस क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मैं अपनी ओर से जो भी संभव है, करती हूं।'' मुर्मू ने कहा कि जब वह झारखंड की राज्यपाल थीं, तब उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में रेलवे के विकास के लिए दबाव बनाने के वास्ते कई बार मौजूदा रेल मंत्री से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति ने कहा, ''जब मैं वर्ष 2000 में ओडिशा की परिवहन मंत्री थी तो मैंने तत्कालीन रेल मंत्री से राज्य में इस क्षेत्र के विकास के लिए अनुरोध किया था। हालांकि, इस पर काम आगे नहीं बढ़ सका। अब, मैं प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को किए जा रहे कार्यों के लिए धन्यवाद देती हूं।''

मुर्मू ने कहा कि लोगों का प्यार और स्नेह उन्हें यहां तक खींच लाया है। राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं यहां के लोगों, इस स्थान और इसकी आवश्यकताओं को जानती हूं। मैं अपने कार्यकाल के दौरान, जहां तक संभव होगा, इस क्षेत्र के लिए काम करती रहूंगी।''

राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि वह किसी से कोई अनुचित अनुरोध नहीं कर रही हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, ''मयूरभंज की कुछ जरूरतें हैं। यह राज्य का सबसे बड़ा जिला है। उसने (सरकार ने) इस जिले की जरूरत को समझा है। इसलिए मैं उसके सहयोग के लिए उसका आभार व्यक्त करती हूं।''

मुर्मू ने ओडिशा में तीन नई रेलवे लाइन परियोजनाओं की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांगिरीपोषी (ओडिशा)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा में तीन नई रेलवे लाइन परियोजनाओं की आधारशिला रखी। राष्ट्रपति मुर्मू ने बांगिरीपोषी-गोरुमाहिषानी, बुढ़ामरा-चाकुलिया और बादामपहाड़- केन्दुझरगढ़ रेलवे लाइन परियोजना की आधारशिला रखी और इस दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम सहित अन्य भी मौजूद रहे। रेलवे ने बताया कि नई लाइन रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने में मदद करेंगी और क्षेत्रों का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करेंगी, जिससे आदिवासी बहुल क्योंझर और मयूरभंज जिलों में संपर्क बढ़ेगा। नई लाइनें खनिज समृद्ध क्षेत्रों से कच्चे माल के परिवहन की सुविधा प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति ने ऑनलाइन माध्यम से रायरंगपुर में तीन अन्य परियोजनाओं - जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र, डांड़बोस हवाई अड्डा और एक उप-मंडल अस्पताल की भी आधारशिला रखी।

असमः मुख्यमंत्री शर्मा ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया, चार नए मंत्रियों ने शपथ ली

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चार विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यहां श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में चार प्रशांत फूकन, कौशिक राय, कृष्णेंदु पॉल और रूपेश गोआला को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, आज (शनिवार को) शपथ लेने वाले मेरे सभी सहयोगियों को बधाई। मैं उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित असम के सपने को पूरा किया जा सके। फूकन डिब्रूगढ़ से चार बार, पॉल पाथरकांडी से दो बार जबकि राय और गोआला क्रमशः लखीपुर और डूम डूमा से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। फूकन और गोला क्रमशः ऊपरी असम के जिलों डिब्रूगाह और तिनसुकिया के का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि पॉल और राय बराक घाटी के जिलों श्रीभूमि (पूर्व में करीमगंज) और कछार से हैं।

राजनाथ ने लोगों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने का आह्वान किया

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लोगों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह किया और इसे सैनिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने की सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर साल सात दिसंबर को मनाया जाता है, ताकि सीमा पर वीरतापूर्वक लड़ने वाले शहीदों और जवानों को सम्मानित किया जा सके।

सिंह ने 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में कहा कि यह नागरिकों के लिए सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और समर्पण को पहचानने और 'बहादुरों' के प्रति जिम्मेदारियों को पूरा करने के संकल्प की पुष्टि करने का अवसर है।

उन्होंने कहा, ''हमारे सशस्त्र बल एक अभेद्य सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं, जो हर स्थिति में हमारी रक्षा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं - न केवल बाहरी खतरों के दौरान, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी।'' उन्होंने कहा, ''हमारे सैनिकों का बलिदान और अनुशासन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।''

बांग्लादेश के मुद्दे पर चुप्पी लेकिन मुस्लिम वोट के लिए संभल-संभल चिल्ला रही कांग्रेस : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि उसने बांग्लादेश के मुद्दे पर चुप्पी साध ली है लेकिन मुस्लिम वोट के लिए 'संभल संभल' चिल्ला रही है। मायावती ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस संभल में हुई हिंसा की आड़ में मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने की कोशिश में लगी हुई हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू बड़ी संख्या में हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिनमें ज्यादातर दलित और कमजोर तबके के लोग हैं। उन्होंने कहा, ''इस समय संसद सत्र जारी है और विपक्ष, विशेष रूप से सपा और कांग्रेस देश तथा जनहित के मुद्दे न उठाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ में संभल हिंसा की आड़ में मुस्लिम वोट को रिझाने में लगा है।'' मायावती ने कहा, ''दुख की बात यह है कि जिनकी बदौलत संसद में दलित वर्ग के सांसद पहुंचे हैं वे भी अपने-अपने दलों के आकाओं को खुश करने के लिए दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर चुप बैठे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश में जो हिन्दू जुल्म-ज्यादती के शिकार हो रहे हैं, उसमें अधिकांश रूप से दलित और कमजोर तबके के लोग हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप है और केवल मुस्लिम वोट के लिए 'संभल-संभल' चिल्ला रही है। इस मामले में कांग्रेस, सपा और इनके समर्थक दल एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।''

उत्तर प्रदेश सरकार ने लगाया एस्मा, सभी विभागों में छह महीने तक हड़ताल पर रोक

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम के तहत अगले छह महीने के लिए अपने विभागों, निगमों और स्थानीय प्राधिकरणों में हड़ताल और प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गयी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि आगामी महीनों में राज्य में दिव्य एवं भव्य महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। शुक्ला ने कहा कि महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं और लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने इस कदम को 'अलोकतांत्रिक' करार दिया है। सपा के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' संविधान के प्रावधानों के अनुसार लोगों और सरकारी कर्मचारियों को अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन, ऐसा लगता है कि सरकार नहीं चाहती कि लोग ऐसा करें। ''

बेटी और उसके सम्मान की रक्षा करना 'डबल इंजन' सरकार का लक्ष्य : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' की सरकार का संकल्प है कि हर हाल में बेटी और उसके सम्मान की रक्षा करना है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कॉलेज में आयोजित 401 जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने 2014 से अब तक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लाए गए परिवर्तनकारी बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में जिस 'नए भारत' का निर्माण हुआ, उसमें महिलाओं के लिए सम्मानजनक स्थान बना है। आदित्यनाथ ने शुरू की गयी 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल का उल्लेख करते हुए कहा, '' इसने बेटियों को देश भर में हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और प्रतिभा साबित करने में सक्षम बनाया है। हमारी बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तीकरण हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो महिलाओं की गरिमा और सामाजिक कल्याण के समर्थन के लिए सामूहिक प्रयास का प्रतीक है।'' बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं और इसीलिए हर घर में शौचालय निर्माण, नारी गरिमा का प्रतीक बना है।

झारखंड : तीन महिला तस्कर गिरफ्तार, सात लाख रुपए का मादक पदार्थ बरामद

आदित्यपुर/भाषा। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मादक-पदार्थ की तस्करी करने वालीं तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके पास से सात लाख रुपए मूल्य की नशीली दवाएं बरामद की गई हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आदित्यपुर के मुस्लिम बस्ती में शुक्रवार को छापेमारी की गई और इन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि तीनों महिलाओं की पहचान रहीमा खातून उर्फ मोतीकी, नजमुन निशा उर्फ तजमुन और साहिदा खातून उर्फ मुन्नू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उनके पास से कुल 35.44 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई, जिसकी कीमत सात लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि रहीमा और नजमुन पहले भी मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े मामलों में वांछित थीं।

बीपीएससी परीक्षा विवाद : बिहार पुलिस ने खान सर की गिरफ्तारी की अफवाहों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार पुलिस ने खान सर के नाम से पहचाने जाने वाले शिक्षक एवं यूट्यूबर की गिरफ्तारी के बारे में सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। पुलिस ने शनिवार को इन अफवाहों का खंडन करते हुए कहा कि खान सर राजधानी पटना में बिहार लोक सेवा आयोग कार्यालय के निकट अवैध प्रदर्शन को लेकर हिरासत में लिए प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए अपनी इच्छा से पुलिस थाने आए थे।

सचिवालय-एक की अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अनु कुमारी ने कहा, पुलिस ने खान सर की गिरफ्तारी के बारे में गलत सूचना फैलाने के लिए सोशल मीडिया हैंडल-'खान ग्लोबल स्टडीज' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह बेबुनियाद आरोप हैं...खान सर को गिरफ्तार नहीं किया गया है। सोशल मीडिया हैंडल से जुड़े लोग आज सुबह से ही विभिन्न पोस्ट के माध्यम से खान सर की रिहाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने शनिवार को स्पष्ट किया कि खान सर शुक्रवार शाम को धरना स्थल पर प्रदर्शनकारियों से मिलने के बाद गर्दनी बाग थाने आए थे। एसडीपीओ ने कहा, खान सर को बार-बार थाने से जाने के लिए कहा गया। इस पर उन्होंने गर्दनीबाग थाने से अनुरोध किया कि उन्हें पुलिस वाहन में अटल पथ के पास उनके वाहन तक छोड़ दिया जाए। अनुरोध के अनुसार, उन्हें पुलिस वाहन में अटल पथ के पास छोड़ दिया गया, जहां उनकी अपनी कार खड़ी थी। उन्हें न तो हिरासत में लिया गया और न ही गिरफ्तार किया गया। खान सर ने शुक्रवार को पटना में आंदोलनकारी बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के बाद उनका खुलकर समर्थन किया। वह अभ्यर्थियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए पटना के गर्दनीबाग इलाके में धरना स्थल पर पहुंचे थे। पटना में बीपीएससी के कार्यालय के पास प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के एक बड़े समूह को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने शुक्रवार को हल्का लाठीचार्ज किया। ये अभ्यर्थी 13 दिसंबर को होने वाली बीपीएससी की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के नियमों में परिवर्तन को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री को रंगदारी की धमकी, दिल्ली पुलिस और झारखंड के डीजीपी को जानकारी दी

रांची/भाषा। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को कहा कि उन्हें फिरौती के लिए धमकी मिली है और उन्होंने इस संबंध में दिल्ली पुलिस और झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को जानकारी दी है।

सेठ ने कहा कि शुक्रवार को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से संदेश आया जिसमें 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। संदेश भेजने वाले कथित तौर पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी है। रांची से लोकसभा सांसद ने यहां कहा, ''मैंने इस संबंध में शुक्रवार को ही दिल्ली पुलिस और झारखंड के डीजीपी को जानकारी दे दी है। एक पुलिस उपायुक्त समेत दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मुझसे मिलने आए और मैंने उन्हें जानकारी दे दी है।'' सेठ ने कहा कि वह ऐसी चीजों को लेकर चिंतित नहीं हैं। रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा, मुझे आज सुबह पता चला कि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री को धमकी भरा संदेश दिया गया है और 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और ऐसे तत्वों को बेनकाब करना चाहिए। सिंह ने कहा, ''मैं राज्य सरकार से केंद्रीय मंत्री को उचित सुरक्षा प्रदान किए जाने का अनुरोध करता हूं।'' कांग्रेस की झारखंड इकाई के प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने इसे गंभीर मामला बताया और केंद्रीय गृह मंत्रालय से इस पर गौर करने का आग्रह किया।

भाजपा का नया नारा 'मोदी के साथ आओ, अपने सारे दाग मिटाओ': कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार को बेनामी संपति के मामले में आयकर न्यायाधिकरण से राहत मिलने के बाद शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि अब सत्तारूढ़ दल का नया नारा ''मोदी के साथ आओ, अपने सारे दाग मिटाओ और खूब पैसा कमाओ'' है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ''भाजपा की वाशिंग मशीन'' लगातार चालू है और अब तक कई नेता इसमें धुलकर बेदाग हो चुके हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''भाजपा की वशिंग मशीन लगातार चालू है। इस मशीन ने महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार बनवाने के एवज में अजित पवार को धुलकर चमका दिया है। अजित पवार के ऊपर चल रहे आय से अधिक सम्पत्ति के सारे मामले बंद हो गए।'' उन्होंने कहा, ''आयकर विभाग ने वर्ष 2021 में अजित पवार, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार की 1000 करोड़ रुपए की संपत्तियां 2021 में कुर्क की थी। भाजपा की वशिंग मशीन के कमाल से अब इन संपत्तियों को आयकर विभाग मुक्त कर दिया है।'' रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''जिस समय अजित पवार पर एजेंसियों ने कार्रवाई की थी, उस समय अजित पवार विपक्ष में थे। तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजित पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 'नेचुरली करप्ट पार्टी' कहा था और देवेंद्र फडणवीस ने खुद कहा था कि एक दिन अजित पवार चक्की पीसिंग, पीसिंग।'' उनके मुताबिक, इससे पहले जब अजित पवार ने भाजपा का साथ दिया था, उसी समय उन पर चल रहे 70 हजार करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले, जरांदेश्वर चीनी मिल घोटाले समेत कई अन्य मामलों की जांच बंद कर दी गई थी।

रमेश ने कटाक्ष किया कि भाजपा अब ऐसी वॉशिंग मशीन बन गई है, जिसमें सालों पुराना मामला भी डालो तो आरोपी बेदाग ही निकलता है। रमेश ने दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल, भाजपा नेता अशोक चव्हाण, राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल और कई अन्य नेता भाजपा की वाशिंग मशीन में धुलकर बेदाग हो चुके हैं।

बाल्की ने फिल्म उद्योग की स्थिति पर चिंता जताई

कोलकाता/भाषा। जाने-माने निर्देशक आर. बाल्की ने फिल्म उद्योग की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अधिकतर फिल्म निर्माताओं के अवचेतन मन में यह भावना है कि उद्योग ''खतरे'' में है। बाल्की ने यहां 30वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वार्षिक 'सत्यजीत रे स्मृति व्याख्यान' को संबोधित करते हुए शुक्रवार को कहा कि कुछ अपवादों को छोड़कर ''सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या कम हो रही है।'' उन्होंने कहा, ''अधिकतर फिल्म निर्माताओं के अवचेतन मन में यह भावना है कि फिल्म उद्योग खतरे में है। सब कुछ भ्रष्ट हो गया है और सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या कम हो रही है।'' 'चीनी कम', 'पा' और 'पैडमैन' जैसी फिल्मों के निर्माता ने कहा, ''हमने पहले कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया... सिनेमा के बिना, मेरे जीवन का कोई उद्देश्य नहीं है लेकिन जब सिनेमा खुद संघर्ष कर रहा हो, तो चीजों को जारी रखना मुश्किल हो जाता है।''

ऑस्ट्रेलिया में बुमराह पर दबाव कम करने के लिए भारत को जल्दी शमी की जरूरत : शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडिलेड/भाषा। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने शनिवार को कहा कि मोहम्मद शमी जितनी जल्दी ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे भारतीय टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा। इससे मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर दबाव कम होगा।

चौंतीस वर्षीय तेज गेंदबाज शमी टखने की चोट से उबरने के बाद वापसी की कोशिश में हैं। शीर्ष स्तर के क्रिकेट से लगभग एक साल दूर रहने के बाद वापसी कर रहे शमी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

शास्त्री ने यहां दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन 'कमेंट्री' के दौरान कहा, ''मोहम्मद शमी जितनी जल्दी यहां पहुंचेंगे, भारत के लिए उतना ही बेहतर होगा। वह बहुत सारे घरेलू मैच खेल रहे हैं। '' उन्होंने कहा, ''जब बुमराह गेंदबाजी कर रहे हों और अन्य गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो आप विपक्षी टीम के खिलाड़ियों पर दबाव देख सकते हैं। जसप्रीत बुमराह पर बहुत दबाव है।

चोट से उबरने के बाद घरेलू टी20 प्रतियोगिता में बंगाल के लिए सात मैच खेल चुके अनुभवी तेज गेंदबाज शमी के लिए सब कुछ ठीक

चल रहा है। शमी छोटे स्पैल में गेंदबाजी के दौरान लय और नियंत्रण हासिल करते दिखे। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के अधिकारियों और एक राष्ट्रीय चयनकर्ता की कड़ी निगरानी में वापसी कर रहे हैं।

हालांकि पूर्व भारतीय कप्तान ने 14 से 18 दिसंबर तक ब्रिस्बेन के गाबा में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए शमी को जल्दबाजी में शामिल नहीं करने की चेतावनी भी दी।

रवि शास्त्री (62 वर्ष) ने कहा, ''ब्रिस्बेन शायद बहुत जल्दी हो, लेकिन मेलबर्न और सिडनी के लिए निश्चित रूप से शमी उपलब्ध हो सकते हैं। '' शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में सफल प्रदर्शन किया है। उन्होंने 12 मैचों में 44 विकेट लिए हैं जिनमें से 31 विकेट उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में आठ टेस्ट मैचों में लिए हैं।

हेड की कमजोरी का फायदा उठाने में नाकाम रहे भारतीय गेंदबाज: पुजारा

मुंबई/भाषा। चेतेश्वर पुजारा ने ट्रेविस हेड को शॉर्ट-पिच गेंदें करने में नाकाम रहने और उन्हें उनके पसंदीदा ऑफ साइड में गेंद करके रन बनाने का मौका देने के लिए भारतीय गेंदबाजों की आलोचना की। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने 141 गेंद पर 140 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 157 रन की बढ़त हासिल करने में सफल रहा। भारत ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 128 रन बनाए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया से अभी 29 रन पीछे है। पुजारा ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, ''हेड की कमजोरी शॉर्ट-पिच गेंदें हैं, जो विपक्षी टीम को अच्छी तरह से पता है। हमने देखा कि उसे केवल दो-तीन शॉर्ट पिच गेंद ही की गई। वे (भारतीय तेज गेंदबाज) इसका बेहतर उपयोग कर सकते थे।'' उन्होंने कहा कि वह ऑफ साइड पर हावी होकर खेलता है और हमें उस पर अंकुश लगाने की जरूरत थी।

सुविचार

खुद पर भरोसा करने का हुनर सीख लो. सहारे कितने भी भरोसेमंद हो, एक दिन साथ छोड़ ही जाते है!!

ट्वीट

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने 5872.08 करोड़ की अनुमानित लागत से देश में 85 (राजस्थान में 9) नए केंद्रीय विद्यालयों को खोलने की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

-दीया कुमारी

जोधपुर, सर्किट हाउस के पास 'लौह पुरुष' पूज्य सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की आदमक़द प्रतिमा का अनावरण माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करकमलों से कल 8 दिसंबर को होने जा रहा है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

भ्रम

अपने गंतव्य की ओर बढ़ती ट्रेन रास्ते के किसी शहर के स्टेशन पर यात्रियों के चढ़ने और उतरने के लिए कुछ पलों के लिए ठहर गई थी। रात के समय तेज हवा के साथ काले घने बादलों की आवाजाही से बारिश की तेज बौछारों और बिजली की तेज गड़गड़ाहट में शहर अंधेरे में सिमटकर रह गया था। रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन के रवाना होने में थोड़ा वक्त और बाकी था। ट्रेन के अपने सेकंड ऐसी कोच में नेहा बहुत देर से बर्थ पर वह अपनी पुत्री रिंकी की मौजूदगी से , जो अपनी अपर बर्थ पर थकान के कारण शायद सो गई थी , बेख़बर अपने ख्यालों की दुनिया में सिमटकर बैठी थी । तभी उसके हमउम्र , लगभग साठ वर्ष की आयु के , सभ्रांत लगने वाले महिला और पुरुष ने उसके केबिन में प्रवेश किया। सिर पर कम बाल और चेहरे पर घनी सफेद दाढ़ी वाला आकर्षक पुरुष और वह महिला उसके सामने वाली बर्थ पर बैठ गए। उनके आने की आवाज से वह ख्यालों की दुनिया से वर्तमान में लौटी। महिला ने उसकी ओर मुस्कुराते हुए हेलो कहा। शिष्टाचार के नाते उसने भी हेलो कहा। इसके बाद कुछ देर तक केबिन में पसरा सन्नाटा माहौल को और भारी बनाने लगा था।

नेहा के सामने बैठी महिला ने अपना परिचय देते हुए उससे बातचीत का सिलसिला शुरु किया। उसका नाम सरला था। वह नेहा के ही शहर की रहने वाली थी। लेकिन खुद की सरकारी प्रशासनिक नौकरी के कारण अधिकतर समय दूसरे शहरों में बिताने और अब रिटायरमेंट के बाद वह अब अपने पति के साथ स्थायी रुप से अपने शहर रहने के लिए जा रही थी। सरला का पति भी सरकारी महकमे में प्रशासनिक उच्च पद पर नौकरी के बाद रिटायर हो चुका था। सुबह ही वे अपने बेटे – बहू और पोते से मिलकर ओंटेरियो , कनाडा से यहां लौटे थे। वहां उनका स्थायी रुप से रहने का इरादा नहीं था। वह बहुत खुश नजर आ रही थी। नेहा ने बातचीत के दौरान कई बार सरला के पति ओर देखा । लेकिन हर बार वह अपने लैपटॉप पर कुछ काम में व्यस्त नजर आया।

इससे पहले कि नेहा अपने बारे में सरला को कुछ बताती उससे पहले ही बातचीत में सरला के पति का नाम और उसके बारे में कुछ जानकारी मिलते ही नेहा के दिल और दिमाग में अजीब सा बवंडर उठने लगा। नेहा के शरीर में कंपकपी सी होने लगी। उसके सामने बैठा सरला का पति कोई और नहीं कॉलेज के दिनों में नेहा को बेइन्तहा चाहने वाला और उसे अपनी हमसफ़र बनाने के ख़्वाब देखने वाला दोस्त अमर था। जिसे वह लगभग पैंतीस सालों के बाद देखने के बाद पहचान नहीं पाई थी। उसे लगा कि शायद अमर भी उसे नहीं पहचाना था। इतने सालों से वक़्त उन दोनों के शरीर पर अपने निशान छोड़ता हुआ गुजर रहा था। उसने किसी तरह खुद को संभाला और वाशरूम जाने का कहकर वहां से उठ खड़ी हुई। वहां बल्ब की दूधिया मद्धिम रोशनी में आईने में देखा तो उसे अपने चेहरे पर गीली लकीरें और ललाट पर खिंचाव साफ़ नज़र आ रहा था। वह उदास मन और बोझिल कदमों से चलते हुए केबिन में अपनी बर्थ पर बैठ गई। उसकी नम आंखें और मन की उदासी केबिन की मद्धिम रोशनी में उसके अनोखे अनुभव के दर्द को बयां कर रहे थे। ऐसा दर्द जिसे वह किसी के साथ साझा नहीं कर सकती थी और उसे अकेले ही सहना था। अकेलेपन से उसमें अजीब सी कशमकश का बवंडर उठने लगा था। सरला ने जब उसके बारे में जानना चाहा तो नेहा उसे अनमने ढंग से अपने बारे में गलत जानकारी देते हुए सोने का बहाना बनाकर अपनी बर्थ पर लेट गई।

इंसान के जीवन में कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती हैं जो उम्रभर कांटे की तरह मन में खटकती रहती हैं और पछताने का मौका भी नहीं देतीं । ऐसा ही एक वाकया उसके साथ भी हुआ जो उम्रभर उसे टीस पहुंचाता रहेगा। अपने इन हालात के लिए खुद जिम्मेवार होने पर उसे आत्मग्लानि होने लगी थी। कम उजाले में खामोश लेटे हुए मानो उसे अपने वजूद का पता ही नहीं था। बेमानी हो चुकी अतीत की ढेर सारी बातें, बिखर चुके देखे हुए ख़्वाब पानी में परिन्दे की तरह उसके जेहन में तैर रहे थे। यह समय यकीनन उसके जीवन का सबसे कमजोर समय था। कुछ ही देर बाद ट्रेन की सीटी बजी और ट्रेन धीमी रफ्तार से अपने गंतव्य की ओर चल दी। वह अपनी बर्थ पर लेटी हुई अपने अंदर झांकने लगी। अपने अंदर सब कुछ होते हुए भी उसे कुछ महसूस नहीं हो रहा था। कुछ देर बाद अपने भीतर उसे बहुत खालीपन महसूस होने लगा था। परेशानियां कभी सूचना देकर नहीं आती। ऐसा ही उसके साथ भी हुआ । जिसने उसकी ज़िंदगी की दशा और दिशा बदलते हुए उसके वजूद को ही हिलाकर रख दिया था। भविष्य को लेकर उसने जो ख़्वाब बुने थे वो अचानक टूटकर तिनका –तिनका बिखर गए थे। उस समय चारों तरफ अचानक पसर गए अंधेरे से शायद उसे अकेले ही लड़ना था। अपनी भावनाओं पर हुए आघातों ने उसे अतीत की हर बात को याद करा दिया । जिसकी फिल्म उसकी आंखों के सामने चलने लगी।

नेहा , राजन और अमर ने ग्रेजुएशन और पोस्टग्रेजुएशन की पढ़ाई साथ में पूरी करी थी। तीनों में गहरी दोस्ती थी। पढ़ाई में राजन और अमर कक्षा में पहले और दूसरे स्थान पर रहते थे।राजन आधुनिक विचारों और सम्पन्न परिवार का सदस्य था। राजन के व्यक्तित्व में एक अजीब सा आकर्षण था। नेहा भी साथ में पढ़ने वाली अन्य लड़कियों की तरह उसकी ओर आकर्षित रहती थी। जबकि स्वभाव से गम्भीर अमर मध्यम वर्गीय परिवार का सदस्य था।पढ़ाई पूरी करने के बाद वह सरकारी एडमिनिस्ट्रेटिव नौकरी पाकर आम नागरिक के और समाज के उत्थान के लिए बहुत कुछ करना चाहता था। अमर की बातों और व्यवहार से नेहा को इस बात का अहसास था कि अमर उसे बहुत चाहता था। नेहा भी उसे पसंद करती थी।

वक़्त अपनी रफ्तार से दौड़ रहा था। गुजरते वक़्त के साथ जिस उम्र में लड़की अपने जीवन साथी के बारे में कई ख़्वाब देखने और बुनने लगती है , उस समय नेहा को अपने अंदर राजन की तरफ आकर्षण के स्पंदन सुनाई देने लगे थे।अपनी पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी होने के बाद भी राजन से मिलना और बात करना उसे अच्छा लगने लगा था। भावनात्मक रुप से उसके नजदीक आ गए राजन का साथ शायद उसकी जरुरत बनता जा रहा था । दोनों के बीच एक दूसरे को पसंद की अबोली और अलिखित भाषा जन्म ले चुकी थी। जबकि जाने अनजाने में अमर पहले उसके सामने समय – समय पर अपनी चाहत का इजहार करता रहा था। उन्ही दिनों अमर की किसी दूसरे शहर के एक सरकारी स्कूल में अध्यापक की नौकरी लग गई । अपनी पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए उसने यह नौकरी जॉइन भी कर ली।

राजन अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए रिसर्च की तैयारी में लग गया। अमर पत्र के माध्यम से राजन और नेहा से संपर्क में रहता था। राजन और नेहा की मुलाकातें होती रहती थीं। इन मुलाकातों के चलते अपने सुनहरे और सुरक्षित भविष्य का सोचते हुए नेहा ने राजन द्वारा दिए गए विवाह के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अमर को उनके विवाह की सूचना मिलने के बावजूद वह वैवाहिक कार्यक्रम में नहीं आया। उसके बाद नेहा और राजन का अमर से कभी कोई संपर्क नहीं रहा और उसके बारे में कोई जानकारी भी नहीं रही।

नेहा एक आदर्श गृहणी की तरह राजन के साथ अपना जीवन व्यतीत कर खुश थी। उनके विवाह का पहला साल पूरा होने से पहले ही नेहा की गोद में रिंकी की किलकारियां सुनाई देने लग गई थीं। राजन अपनी रिसर्च से संबंधित कार्य के लिए जाने का कहकर कुछ महीनों बाद ही अकेला विदेश चला गया।वहां जाने के बाद शुरुआत के कुछ महीनों बाद तक तो राजन सप्ताह में एक या दो बार उससे फोन पर बात कर लेता था। नेहा ने इसे राजन की कार्य में व्यस्तता को समझते हुए ज्यादा गौर नहीं किया। जब राजन के फोन आने ही बंद हो गए तो नेहा को बहुत चिन्ता हुई। उसने जब संबंधित विश्वविद्यालय से इस विषय में सम्पर्क किया तो उन्होने किसी तरह की मदद करने में अपनी असमर्थता जाहिर कर दी। क्योंकि विश्वविद्यालय में राजन की रिसर्च का काम बहुत पहले ही पूरा हो चुका था। यहां रह रहे राजन के परिवारजनों की तरह हैरान और परेशान नेहा को समझ ही नहीं आ रहा था कि वह क्या करे ? उस समय विदेश में राजन कहां और किस हाल में था इसका किसी को कुछ पता नहीं था। फिर भी अपनी तरफ से वह उसका पता लगाने का हर संभव प्रयास करती रही। इन सबमें कुछ महीने और बीत गए।

एक दिन नेहा के पास आई फोन कॉल ने उसकी ज़िंदगी की दशा और दिशा ही बदल दी। वह कॉल राजन की थी। राजन को विदेश में नौकरी मिल गई थी। और उसने विदेश में वहां की लड़की से विवाह कर वहीं रहने का फैसला कर लिया था। उसने नेहा और रिंकी को खुद से सभी बंधनों से मुक्त करने का भी कह दिया। यह सुनते ही उसकी ज़िंदगी में भूचाल सा आ गया। उसे अहसास हुआ मानो गरम हवा का कोई झोंका उसे झुलसा रहा था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे ? उसकी आंखों से आंसू ढुलकने लगे। उसने राजन को दर्द भरी आवाज में कहा इसका मतलब इतने वर्षों के हमारे विश्वास के संबंध में अपने इन विचारों के साथ तुम मेरे मन ,सम्मान और भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते रहे। बड़ा अफ़सोस हो रहा है मुझे मैं तुम्हारी आंखों की भाषा पढ़ ही नहीं पाई।मैंने तुम पर विश्वास किया और तुमने मेरे विश्वास को ही पंगु बना दिया। मुझे ही दृष्टि भ्रम हो गया था जो तुम्हे पहचाने में भूल कर दी। तुम्हारे एक रुप के पीछे कितने रुप छिपे हैं मुझे पता नहीं था। तुम्हारा मासूम से चेहरे के पीछे घिनौने विचारों वाला असली चेहरा मेरे सामने आ गया है। उसने राजन को बहुत खरी–खोटी सुनाई परन्तु उस पर इसका कोई असर नही हुआ।

उसके अंदर एक कसक सी उठी मानो बहुत कुछ दरक गया था। उसका शरीर कांपने लगा था और पसीने से भीग गया था। राजन उसे ऐसा दर्द देकर गया था जिसके इजहार और फरियाद की कोई जगह नहीं थी। उसे समझ आ गया था कि वह राजन का कुछ नहीं बिगाड़ सकती, जिसने उसकी भावनाओं और विश्वास के साथ खिलवाड़ किया था।सामाजिक और पारिवारिक धरातल पर उसे अपने संबंध के सारी धुंधली हक़ीकत साफ़ नज़र आने लगी थी। सब कुछ जान लेने और समझ लेने के बाद भी उसके अंदर अजीब सी बेचैनी थी। निराशा के विचारों के द्वंदों का समाधान उसके अपने और रिंकी के वजूद को बचाकर और अपनी सार्थकता सिद्ध करके ही हो सकता था। राजन का उसे कहा गया एक–एक शब्द उसके जेहन में गूंजता रहता था। उसे लगने लगा कि उसकी जिंदगी कुछ समय के लिए शायद भटक गई थी। पुरुषों के प्रति उसके दिल और दिमाग में नकारात्मक धारणा बन जाने के कारण उसने दूसरा विवाह नहीं किया। इस घटना के बाद ससुराल वालों के लाख मना करने के बावजूद वह रिंकी के साथ अपने पीहर आकर रहने लग गई । उस वक़्त उसके पीहर वालों ने उसे सहारा दिया। उसने बीएड की पढ़ाई पूरी करी।कुछ समय बाद कॉलेज में उसकी लेक्चरर की नौकरी लग गई। पिछले साल ही वह कॉलेज प्रिंसीपल के पद से रिटायर हुए थी। उसने रिंकी को भी मेडिकल की उच्च शिक्षा दिलाई । रिंकी और उसका डॉक्टर पति उसके शहर के ही एक मेडिकल कॉलेज में लेक्चरर के पद पर कार्य कर रहे थे। नेहा अपनी बेटी – दामाद , दोहिते के साथ ही रहती थी। रिंकी के साथ इस शहर वह अपनी सहेली के पोते के मुंडन संस्कार में आई थी।

जिस तरह हर गुजरता लम्हा अहसास के निशान छोड़ जाता है उसी तरह उसे भी अहसास होने लगा था कि राजन के साथ उसके संबंध सर्द मौसम में तालाब के पानी पर जमी बर्फ की परत की तरह उसके लिए भ्रामक तो नहीं थे ? इंसान को लगता है वह पानी पर बर्फ की परत पर चढ़कर तालाब पार कर लेगा ,लेकिन यह संभव नहीं हो पाता। क्योंकि बर्फ की परत एक तरह का छलावा ही है। कहीं पर मजबूत तो कहीं पर कम मजबूत ।कम मजबूत वाली जगह इंसान का पैर पड़ते ही वह टूट जाती है और इंसान तालाब में डूबने लगता है। जिसको तैरना आता है वह तो तैरकर किनारे आ जाता है , नहीं तो डूब जाता है। इतना वक़्त गुजर जाने के बाद राजन के बारे में कोई पता नही था कि वह कहां और कैसा था ? जिसके नाम का सिन्दूर वह आज भी अपनी मांग में भरती थी , उस राजन ने नेहा और रिंकी के बारे में जानने की कभी कोशिश नहीं करी। गुजरते वक़्त के साथ इंटरनेट के आधुनिक युग में नेहा द्वारा कभी उसकी तलाश की इच्छा ही नहीं रही थी। जिस राजन का नेहा ने अपने सुरक्षित भविष्य की उम्मीद में हाथ थामा था , वह उसे ज़िंदगी के सफ़र में बीच में छोड़ किसी अनजान जगह पर अपनी ज़िंदगी अपने तरीके से जी रहा था। जिस अमर का उसने साथ छोड़ा था वह आज , सरला के अनुसार , उसके सामने सफल जीवन व्यतीत करता हुआ नजर आ रहा था।

यह सब सोचते हुए उसे कब आंख लग गई पता ही नहीं चला। अचानक उसकी आंख खुली तो उसने देखा कि सुबह होने के साथ ही ट्रेन उसके शहर के रेलवे स्टेशन पहुंच चुकी थी। प्लेटफॉर्म पर अपना सामान रखकर उसने सरला और अमर से विदा लेनी चाही। सरला ने उसे अपने घर का पता बताते हुए कभी आने के लिए कहा। अमर कुछ कदम आगे चलने के बाद नेहा की तरफ वापिस आया और नम आंखों से उसकी ओर देखते हुए कहा , नेहा , अपना ध्यान रखना ..... यह कहकर तेज कदमों से वह चला गया। नेहा इससे पहले कुछ कह पाती अमर और सरला उसकी आंखों से प्लेटफॉर्म पर भीड़ में ओझल हो चुके थे। नेहा ने नम आंखों से ऊपर देखा तो आसमान साफ था। उसके मन से भ्रम के कारण दुःख के बादल छंट चुके थे।

सुधीर केवलिया
संपर्क : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सहजता

सहज सहज सब कोई कहै, सहज न चीन्हैं कोय।
जिन सहजै विषया तजै, सहज कहावै सोय।।

कबीरदास जी लिखते हैं कि सहज–सहज सब कहते हैं, परन्तु सहजता को समझते या पहचानते नहीं। जिन्होंने सहजरूप से विषय–वासनाओं का परित्याग कर दिया है, कामनाओं से मुक्त हो गये हैं, वे ही सहज हैं। व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचार करें तो जीवन सरल है पर सिक्के का दूसरा पहलू है कि सरल होना, सबसे कठिन है। सरलता पर कुटिलता के अतिक्रमण ने मनुष्य की कुलीनता को ही ढक दिया है। मनुष्य कुल का होना बुद्धि के वरदान से सम्पन्न होना है पर मनुष्य अपने बनाये कृत्रिम मानकों की रक्षा में जीवन भर मुखौटे लगाकर जीता है, चेहरे पर चेहरे चढ़ाकर जीता है।

केंचुली उतारते साँप को देखा,
कौन अधिक विषधर,
चेहरे चढ़ाते इंसान को देखा...!

मंच या परदे पर कलाकार मुखौटा लगाने को विवश है। वह भूमिका समाप्त होते ही मुखौटा निकाल देता है पर निजी जीवन में प्रतिदिन, निरंतर, अविराम मुखौटा लगाता है आदमी। अधिकांश मामलों में मुखौटा लगाये–लगाये ही उसकी मृत्यु भी हो जाती है, अर्थात जीवन के विराम लेने तक लगा रहता है मुखौटा अविराम।

सहज होना, सरल होना, सत्य के साथ होना। यूँ भी 'सहज' का शाब्दिक अर्थ देखें तो 'सह' याने साथ में और 'ज' याने जन्मा। सृष्टि का होना, उसमें उसके एक घटक मनुष्य का होना, परम सत्य है। सत्य के जगत में लुकाव–छिपाव हो ही नहीं सकता। पक्षी और प्राणी जगत इस सत्य के साथ जीवन व्यतीत करता है। अपवाद केवल मनुष्य है। मनुष्य जो दिखता है, अधिकांश मामलों में वह होता नहीं। बेहतर होने के बजाय बेहतर दिखने, बेहतर प्रदर्शित होने की लिप्सा, उसे सत्य से असत्य, सरल से कठिन, सहज से जटिल की ओर ले जाती है। ओढ़ी हुई यह जटिलता मनुष्य के जीवन–आनंद को नष्ट करती है। धारा को रोक दिया तो प्रवाह का नाश अवश्यंभावी है।

'पाखंड' शीर्षक की अपनी कविता स्मरण आ रही है,
मुखौटों की/ भीड़ से घिरा हूँ,
किसी चेहरे तक/ पहुँचूँगा या नहीं
....प्रश्न बन खड़ा हूँ,
मित्रता के मुखौटे में/ शत्रुता छिपाए,
नेह के आवरण में/ विद्वेष से झल्लाए,
शब्दों के अमृत में/ गरल की मात्रा दबाए,
आत्मीयता के छद्म में/ ईर्ष्या से बौखलाए,
मनुष्य मुखौटे क्यों जड़ता है,
भीतर–बाहर अंतर क्यों रखता है?
मुखौटे रचने–जड़ने में/ जितना समय बिताता है
जीने के उतने ही पल / आदमी व्यर्थ गंवाता है,
श्वासोच्छवास में कलुष ने
अस्तित्व को कसैला कर रखा है,
गंगाजल–सा जीवन जियो मित्रो,
पाखंड में क्या रखा है..?

जीवन को गंगाजल–सा रखो ताकि धारा बनी रहे, प्रवाह बना रहे, जीने का आनंद धाराप्रवाह रहे।

बोध कथा

बाबापुर की रामलीला

तेनालीराम हमेशा अपनी बुद्धिमता से सबका मन जीतने के लिए जाने जाते थे। आए दिन राज्य पर आई किसी न किसी समस्या को सुलझाने के लिए वे अपना दिमाग लगाया करते थे। इसी तरह जब एक बार दशहरा पर नाटक मंडली विजयनगर नहीं पहुंच पाई, तो तेनाली ने क्या किया, आइए जानते हैं। काशी की एक नाटक मंडली हमेशा दशहरे से पहले विजयनगर आया करती थी। यह नाटक मंडली विजयनगर में रामलीला किया करती थी और नगर वासियों का मनोरंजन किया करती थी। यह एक तरह से विजयनगर की संस्कृति थी और ऐसा हर साल हुआ करता था, लेकिन एक साल ऐसा आया जब काशी नाटक मंडली के कई सदस्य बीमार पड़ गए और उन्होंने कह दिया कि वो विजयनगर नहीं आ पाएंगे। यह सुनकर महाराज कृष्णदेव राय और सारी प्रजा बहुत उदास हो गई।

दशहरे को अब सिर्फ कुछ ही दिन बाकी थे और ऐसे में किसी और नाटक मंडली को बुलाकर रामलीला का आयोजन करवाना बहुत मुश्किल था। दरबार के मंत्रियों और राजगुरु ने आसपास के गांव की नाटक मंडली को बुलाने की कोशिश की, लेकिन किसी का भी आ पाना बहुत मुश्किल था। सबको निराश देख तेनालीराम ने कहा, मैं एक नाटक मंडली को जानता हूं। मुझे यकीन है कि वो विजयनगर में रामलीला करने के लिए जरूर तैयार हो जाएंगे। तेनाली की यह बात सुनकर सब खुश हो गए। इसके साथ ही राजा ने तेनाली को मंडली बुलाने की जिम्मेदारी सौंप दी और तेनाली ने भी रामलीला की तैयारी करना शुरू कर दी। विजयनगर को नवरात्र के लिए सजाया गया और रामलीला मैदान की साफ–सफाई करवा कर वहां बड़ा–सा मंच बनवाया गया। उसी के साथ मैदान पर बड़ा–सा मैला भी लगवाया गया। जब नगर में रामलीला होने की खबर फैली, तो सारी जनता रामलीला देखने के लिए उत्सुक हो गई। रामलीला वाले दिन सभी लोग रामलीला देखने के लिए मैदान में इकट्ठे हो गए। वहीं, महाराज कृष्णदेव राय, सभी मंत्रीगण और सभा के अन्य सदस्य भी वहां मौजूद थे। सभी ने रामलीला का खूब मजा उठाया। जब नाटक खत्म हो गया, तो सभी ने उसकी बहुत तारीफ की। खासकर, नाटक मंडली में मौजूद बच्चों की कलाकारी सभी को बहुत पसंद आई थी। महाराज सभी से इतना खुश थे कि उन्होंने पूरी नाटक मंडली को महल में खाना खाने का न्योता दे दिया।

जब पूरी मंडली महल आई, तो सभी ने महाराज, तेनाली और अन्य मंत्रीगण के साथ भोजन किया। इस दौरान महाराज ने तेनालीराम से पूछा कि उन्हें इतनी अच्छी मंडली कहां से मिली? इस पर तेनाली ने उत्तर दिया, ये मंडली बाबापुर से आई है, महाराज। बाबापुर? इस जगह का नाम तो हमने कभी नहीं सुना। कहां है ये?, महाराज ने आश्चर्य से पूछा। यहीं विजयनगर के पास ही है, महाराज। तेनाली की यह बात सुनकर मंडली के सदस्य मुस्कुराने लगे। इस पर महाराज ने उनसे मुस्कुराने की वजह पूछी, तो मंडली का एक बच्चा बोला, महाराज, हम विजयनगर के ही रहने वाले हैं। इस मंडली को तेनाली बाबा ने तैयार करवाया है और इसलिए हमारा नाम बाबापुर की मंडली है। बच्चे की यह बात सुनकर महाराज सहित सभी लोग ठहाके लगाने लगे।

वीर गाथा

कर्नल ललित राय: कारगिल की पहाड़ियों पर गूंजी दहाड़, 'खुकरी' से करवाया घुसपैठियों का संहार

कर्नल ललित राय का जन्म 24 अगस्त, 1956 को उत्तराखंड (तब उप्र) के देहरादून में हुआ था। उनके पिता टीबी राय भी बतौर मेजर 11 गोरखा राइफल्स रेजिमेंट में सेवा दे चुके हैं। ललित राय ने अपनी स्कूली शिक्षा बेंगलूरु में पूरी की थी। इसके बाद इसी शहर से बीएससी की। उन्होंने खेलकूद में गहरी रुचि के कारण कई बार अपनी टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

ललित राय को 11 गोरखा राइफल्स की 7वीं बटालियन में 3 सितंबर, 1977 को कमीशन मिला था। उन्होंने कारगिल युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। ऑपरेशन विजय के दौरान कर्नल ललित राय को बटालिक उप–सेक्टर में खालूबार की रणनीतिक और दुर्जेय ऊंचाइयों पर कब्जा करने का जिम्मा सौंपा गया था। भारतीय सैनिक आगे बढ़ने के दौरान दुश्मन की गोलाबारी से घिर गए थे।

चूंकि पाकिस्तानी घुसपैठिए ऊपर काफी सुरक्षित जगहों पर बैठे थे। वे दिन के उजाले में भारतीय सैनिकों को आसानी से देखकर गोलाबारी कर सकते थे। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए ललित राय कुछ सैनिकों का नेतृत्व करते हुए चोटी पर पहुंचे।

उनकी गतिविधियों पर दुश्मन की नजर पड़ी। उसने तीन तरफ से भारी हमला किया। उस दौरान कर्नल ललित राय घायल हो गए थे। उनका घुटना लहूलुहान हो गया था। उन्होंने इसके बावजूद अपने सैनिकों को खूब प्रोत्साहित किया और वे दुश्मन पर टूट पड़े।

भारतीय सैनिकों ने जिस ताकत के साथ धावा बोला, उससे दुश्मन के पांव उखड़ गए। वहां भारतीय सेना ने दोबारा कब्जा कर लिया था। इससे बटालिक उप–क्षेत्र की लड़ाई में निर्णायक मोड़ आ गया था। उसके बाद पाकिस्तानी घुसपैठिए मैदान छोड़कर भागने लगे थे।

उस लड़ाई में ललित राय के नेतृत्व में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान के 25 फौजी ढेर किए थे। यही नहीं, बड़ी संख्या में स्टिंगर मिसाइलें, एयर डिफेंस गन और महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों सहित विस्फोटक सामग्री जब्त की गई थी। इस उपलब्धि के लिए कर्नल ललित राय को वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

उनके साक्षात्कार देशवासियों में जोश भर देते हैं। कर्नल राय ने बताया था कि जब बड़ी संख्या में पाकिस्तानी घुसपैठिए काफी नजदीक आ गए थे तो भारतीय सैनिकों ने 'खुकरी' नामक धारदार हथियार से उनका संहार किया था।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

यात्रा

अमृतसर में जगन्नाथ यात्रा (धार्मिक जुलूस) में श्रद्धालु हिस्सा लेते हुए।

ट्रंप नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनः खुलने के मौके पर मैक्रों से मिलने पेरिस पहुंचे

पेरिस/एपी

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2019 में लगी विनाशकारी आग के बाद 'नोट्रे डेम कैथेड्रल' के जीर्णोद्धार के अवसर पर शनिवार को आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए पेरिस गए हैं।

यह नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा है। 'नोट्रे डेम कैथेड्रल' के जीर्णोद्धार के अवसर पर आयोजित समारोह में दुनियाभर के नेता एवं गणमान्य हस्तियां शामिल होंगी।

ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में निमंत्रण स्वीकार करते समय लिखा था कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ''यह सुनिश्चित कर अद्भुत काम किया है कि नोट्रे डेम को उसके गौरव के अनुसार पूरी तरह बहाल किया जाए। यह सभी के लिए एक बहुत ही खास दिन होगा।''

ट्रंप और मैक्रों के संबंध उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं लेकिन पिछले महीने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराकर ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से मैक्रों उनके साथ रिश्ते बेहतर बनाने पर जोर दे रहे हैं। बहरहाल, फ्रांस के राष्ट्रपति के कार्यालय ने ट्रंप को दिए निमंत्रण को ज्यादा तवज्जो नहीं देने की कोशिश करते हुए कहा कि ट्रंप को एक ''मित्र राष्ट्र'' के नव निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में आमंत्रित किया गया है। उसने कहा, ''यह किसी भी तरह से असाधारण नहीं है, हमने पहले भी ऐसा किया है।'' ट्रंप ऐसे समय में फ्रांस की यात्रा कर रहे हैं जब मैक्रों और अन्य यूरोपीय नेता अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को रूस के आक्रमण के विरुद्ध यूक्रेन को दी जा रही मदद जारी रखने के लिए राजी करने का प्रयास कर रहे हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने कहा कि नोट्रे डेम कार्यक्रम से पहले मैक्रों ट्रंप से और फिर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे।

'मिर्जापुरः द फिल्म' बहुत धमाकेदार होगीः श्वेता त्रिपाठी

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने कहा है कि 'मिर्जापुरः द फिल्म' काफी ''धमाकेदार'' होगी और इसमें अपराध एवं हिंसा जैसे मुद्दों पर समाज को आईना दिखाने से परहेज नहीं किया जाएगा।

वर्ष 2026 में रिलीज होने वाली यह फिल्म 'मिर्जापुर' शृंखला का सिनेमाई विस्तार है और इसमें कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना त्रिपाठी जैसे लोकप्रिय किरदारों को विस्तार से दिखाया जाएगा।

'मिर्जापुर' में गजगामिनी गुप्ता उर्फ गोलू की भूमिका निभाने वाली त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि यह काफी धमाकेदार होगी। इसे अभी लिखा जा रहा है और हमें धीरे-धीरे पता चल रहा है कि क्या हो रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह साफ-सुथरी नहीं होगी। मुझे लगता है कि यह एक वयस्क फिल्म होगी और हमें यह दिखाने में सक्षम होना चाहिए कि (समाज में) क्या हो रहा है। ''जब लोग अपनी आंखें बंद कर लेते हैं और असहज महसूस करते हैं तो उन्हें यह महसूस करना चाहिए कि हर बार अपना मुंह घुमा लेने और इसे स्वीकारने से इनकार कर देने से ये घटनाएं रुकती नहीं हैं।'' त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी सफल शो की रीढ़ लेखन है और यह बात 'मिर्जापुर' के लिए भी सही है।

उन्होंने कहा, ''मुझे (मिर्जापुर के) किरदारों की यह बात पसंद है कि कोई भी व्यक्ति जन्म से बुरा नहीं है और मैं यह इसलिए कह रही हूं क्योंकि मैंने न केवल अपने बल्कि मुन्ना के किरदार से भी यह बात समझी। वह अपने पिता का प्यार और मान्यता चाहता था लेकिन उसे जब वह नहीं मिला तो उसने अपना सारा गुस्सा और हताशा दूसरे लोगों पर निकाली।''

आस्ट्रेलिया और विदेश में बढ़ रही है युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की दर

सिडनी। जब 'फाइव आइज' गुप्तचर समुदाय के पांच देशों की पुलिस और खुफिया एजेंसियां एक साथ मिलकर एक रिपोर्ट जारी करती हैं, तो यह एक महत्वपूर्ण घटना होती है। छह दिसंबर को जारी की गई यह रिपोर्ट अपनी तरह की पहली रिपोर्ट है। यह उल्लेखनीय है कि यह युवा कट्टरपंथ पर केंद्रित है, जिसमें ऑनलाइन मंच में शामिल होने के माध्यम से युवाओं के कट्टरपंथी बनने के मामले का अध्ययन किया गया है। जैसा कि ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने बताया है, इस साल ऑस्ट्रेलिया में आतंकवाद-रोधी हर मामले में नाबालिग या बहुत कम उम्र के वयस्क शामिल रहे हैं। एएसआईओ का कहना है कि उसके प्राथमिकता वाले आतंकवाद-रोधी मामलों में से लगभग 20 प्रतिशत में नाबालिग शामिल हैं।

पिछले चार सालों में, एएफपी और उसके पुलिस सहयोगियों ने नाबालिगों से जुड़ी 35 आतंकवाद रोधी जांच की है, जिनमें सबसे छोटा बच्चा सिर्फ 12 साल का था। अधिकतर मामलों में आरोप तय किए गए हैं। 14 और 16 साल के दो किशोरों को दोषी ठहराया गया है।

दुखद बात यह है कि जब तक पुलिस जांच शुरू होती है, तब तक जीवन बदल देने वाले अभियोजन और कानूनी कार्रवाई से बचना अक्सर मुश्किल होता है। इसलिए अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन को शामिल करते हुए यह रिपोर्ट एक चेतावनी है। यह माता-पिता, शिक्षकों और किशोरों के साथ काम करने वाले अन्य लोगों से ऑनलाइन कट्टरपंथ के संकेतों पर ध्यान देने के लिए कहता है।

यह अफसोसजनक है कि रिपोर्ट इन प्रारंभिक चेतावनी संकेतों को स्पष्ट करने का बेहतर काम नहीं करती लेकिन इरादा ईमानदार है और इसकी तत्काल आवश्यकता है। ऑस्ट्रेलिया में, सामुदायिक कार्यकर्ता और पुलिस ने लंबे समय से व्यवहार में होने वाले तीन बदलावों पर ध्यान केंद्रित किया है:

अभिव्यक्त विचारधारा या विश्वास में बदलाव, रिश्तों में बदलाव, जिसमें नई मित्रता और पुराने दोस्तों से अचानक नाता तोड़ना शामिल है। असामान्य व्यवहार से जुड़े कार्यों में असामान्य बदलाव, जैसे कि स्कूल में या संभवतः पुलिस के साथ टकराव होना। जब इन क्षेत्रों में एक साथ बदलाव हो रहा होता है, तो युवा व्यक्ति के जीवन में कुछ ऐसा होने की संभावना अधिक होती है, जैसे कि उसे तैयार करना और कट्टरपंथी बनाना, जिसके लिए हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।

किशोरों के जीवन में इस तरह के बदलाव आम हैं लेकिन तीनों का एकसाथ होना, खासकर जब समय के साथ बदलाव का स्तर बढ़ता है, यह एक अच्छा संकेत है कि अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सौभाग्य से, ऑस्ट्रेलिया में, विशेष रूप से विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स के बड़े प्रांतों में, पुलिस के माध्यम से मदद प्राप्त करने के लिए अच्छी व्यवस्थाएं हैं। इसमें मनोवैज्ञानिकों और युवा कार्यकर्ताओं जैसे प्रशिक्षित पेशेवरों को शामिल होते हैं।

सबसे पहले, यह निर्धारित करने में मदद की जा सकती है कि क्या हो रहा है, किस तरह की समस्या है और यदि आवश्यक हो, तो प्रारंभिक हस्तक्षेप किया जा सकता है।

इस तरह के प्रारंभिक हस्तक्षेपों में जनता की मदद से, भले ही इसमें पुलिस के साथ संपर्क करना शामिल हो, हम कानून-प्रवर्तन प्रणाली और आपराधिक आरोप लगाने से बच सकते हैं। फाइव आइज रिपोर्ट में 'केस स्टडीज' से यह स्पष्ट है कि समस्या केवल इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी समूह ही नहीं हैं। अन्य चरमपंथी समूह, साथ ही धार्मिक या राजनीतिक या अन्य मान्यताओं के अजीबोगरीब मिश्रण वाले चरमपंथी नेटवर्क भी खतरा पैदा करते हैं।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि कट्टरपंथ अनिवार्य रूप से एक सामाजिक प्रक्रिया है। इसमें साथियों का एक साथ आना और व्यवहार को बढ़ाना या एक-दूसरे को अधिक चरमपंथी कार्यों के लिए उकसाना शामिल हो सकता है। हालांकि अधिकतर, इसमें एक वयस्क द्वारा नाबालिग को निशाना बनाना और उसे किसी संगठन या कारण हेतु कुछ करने के लिए तैयार करना शामिल होता है, जिसके बारे में युवा व्यक्ति को शुरू में बहुत कम जानकारी होती है।

तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर पहली बार साथ करेंगे स्क्रीन शेयर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अभिनेत्री तृप्ति डिमरी शाहिद कपूर के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करने को तैयार हैं। तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर ने विशाल भारद्वाज की एक्शन फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' को साइन किया है। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2025 से शुरू होने की उम्मीद है। तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर पहली बार एक साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। दोनों सितारे विशाल भारद्वाज की एक्शन फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे। अभिनेत्री ने विशाल की यह फिल्म साइन की है। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन पहले से ही चल रहा है और यह फिल्म 6 जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने वाली है। कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए एक बड़ा स्टूडियो बनाया गया है, जो इसके विजन को पूरा करने में मदद करेगा। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की इस फिल्म के लिए एक भव्य सेट का निर्माण किया जा रहा है। यह फिल्म स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। निर्माताओं की कोशिश है कि इस फिल्म की शूटिंग को जल्द पूरा करके इसे 2025 में ही एक भव्य रिलीज दिया जाए।

शिल्पा शेट्टी ने मुश्किलों से निपटने का तरीका बताया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपने प्रशंसकों को मुश्किलों से निपटने का तरीका बताया है। शिप्पा ने मुश्किलों से निपटने का तरीका अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर साझा किया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट की। जिसमें एक किताब का पन्ना उन्होंने साझा किया है। इस किताब के पन्ने पर मुश्किलों से निपटने का बहुत ही बेहतरीन तरीका बताया गया है। किताब के पन्नों में लिखा गया है, 'यदि हमारे पास अपना और अपने जीवन में आने वाली परिस्थतियों का मजाक उड़ाने की क्षमता नहीं है तो यह दुनिया एक खराब जगह बन जाएगी। यदि हमारे साथ कोई बुरी घटना हो रही है तो हमें उसे हास्य के जरिए बेहतरीन किस्से और कहानी में बदल देना चाहिए। जब हम इन कहानियों को दोबारा सुनाएं या सुने तो हमें महसूस होना चाहिए कि जिंदगी में जो भी परिस्थिति बनी, हमने उसका पूरी तरह से सामना किया।

एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगे सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अभिनेता एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगे। उनकी अपकमिंग फिल्म 'जाट' का टीजर दुनिया भर में 12,500 स्क्रीन पर अल्लू अर्जुन अभिनीत 'पुष्पा: द रूल' के साथ जारी किया गया है। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इस एक्शन फिल्म में रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी हैं। फिल्म में दमदार एक्शन की तरह ही कहानी भी जबरदस्त है। 'जाट' का संगीत थमन एस ने तैयार किया है। इसकी सिनेमैटोग्राफी ऋषि पंजाबी ने भाली है। इसका संपादन नवीन नूली ने संपादन की देखरेख में किया गया है। एक्शन कोरियोग्राफर अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट की तकनीकी टीम ने शानदार स्टंट और एक्शन सीक्वेंस पेश करने का वादा किया है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेंगे। फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने किया है और यह अप्रैल 2025 में सिनेमाघरों में आने वाली है।

इससे पहले सनी देओल 'गदर 2' में नजर आए थे, जो 2023 में हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई। दरअसल सनी देओल के लिए 2023 एक बेहतरीन साल रहा क्योंकि उनकी सभी फिल्मों ने बॉक्स-ऑफिस पर धमाल मचा दिया, जिसमें धर्मेंद्र अभिनीत 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', सनी देओल अभिनीत 'गदर 2' शामिल हैं। सनी के पास 'लाहौर 1947' और 'बॉर्डर 2' भी पाइपलाइन में हैं। बॉबी हाल ही में सूर्या अभिनीत 'कंगुवा' में नजर आए थे। आने वाली 3 फिल्मों के साथ, सनी 2025 में शानदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सनी देओल फिल्म जगत का एक चर्चित चेहरा हैं। अभिनेता ने कई फिल्मों में अभिनय किया है। उनकी पहली फिल्म बेताब थी, जो 1983 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सनी देओल के साथ अमृता सिंह मुख्य भूमिका में थीं। सनी देओल ने फिल्म जगत को बॉर्डर, गदर, घातक, घायल जैसी शानदार सफल फिल्में दी हैं। इन हिट फिल्मों ने अभिनेता को कभी पीछे मुड़ने नहीं दिया और आज वह एक खास मुकाम पर हैं। सनी देओल के जानदार डायलॉग कान में एक बार पड़ जाएं तो सिनेमाघरों में ताली बजनी तय रहती थी। यह डायलॉग आज भी लोगों के जुबां पर आ जाते हैं। उनकी फिल्म 'घातक' 1996 में सिनेमाघरों में आई थी, जिसके डायलॉग आज भी उतने ही लोकप्रिय है जितने पहले थे।

मैं दुर्घटनावश फिल्म निर्माता बन गयाः सुधीर मिश्रा

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय फिल्म निर्देशक एवं पटकथा लेखक सुधीर मिश्रा ने कहा कि वह दुर्घटनावश फ़िल्म निर्माता बन गये। जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ)में यहां उपस्थित प्रसिद्ध कलाकार और फिल्म उद्योग के दिग्गज शामिल हुए। इन्हीं में से एक था सुधीर मिश्रा का प्रेरणादायक पैनल डिस्कशन, जिसमें उन्होंने भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य विषय पर अपने विचार साझा किए। स्वतंत्र भारतीय सिनेमा के प्रख्यात निर्देशक सुधीर मिश्रा, जो सामाजिक और विचारोत्तेजक विषयों पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, ने इस सत्र को डिम्पी मिश्रा के साथ प्रस्तुत किया। अपनी सिनेमा यात्रा को याद करते हुए सुधीर मिश्रा ने कहा, मैं दुर्घटनावश फिल्म निर्माता बन गया।

सच्ची कहानियों के निर्माण पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, जब आपके पास जिज्ञासा और खुला दिमाग होता है, तो आप लोगों और उनकी कहानियों को बेहतर समझ सकते हैं। वर्गवाद और पूर्वाग्रहों को छोड़ना होगा। जब आप उन कहानियों में गहराई से उतरते हैं जिनसे आप खुद को नहीं जोड़ सकते, तभी आप उन्हें प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं। मैं एक एंटीना की तरह हूं, कहानियों को आकर्षित करता हूं।

तेज़ी से बदलती फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मकता की भूमिका पर सुधीर मिश्रा ने कहा, मुझे आज की युवा पीढ़ी से ईर्ष्या नहीं होती। अब औसत दर्जे की कोई गुंजाइश नहीं है। एआई साधारण कहानियां लिख सकता है, लेकिन सच्चा जुनून और जोश अपूरणीय है। अगर आपके पास मौलिकता की कमी है, तो आप अलग नहीं दिखेंगे। अपनी रचनात्मक प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, सिनेमा एक निरंतर पुनर्लेखन की प्रक्रिया है। अगर मैं पहले से ही कहानी का अंत और शुरुआत जानता हूं, तो यह मुझे रुचिकर नहीं लगती। अपने उत्तराधिकार (लीगेसी) पर पूछे गए सवाल पर सुधीर मिश्रा ने कहा, यदि मैंने अपने काम के साथ न्याय किया है, तो दुनिया मुझे याद रखेगी। अगर नहीं, तो मुझे भुला दिया जाना चाहिए। फिल्म निर्माता इस उद्योग के निर्माणकर्ता हैं। हमें अपनी फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि अपनी लीगेसी पर।

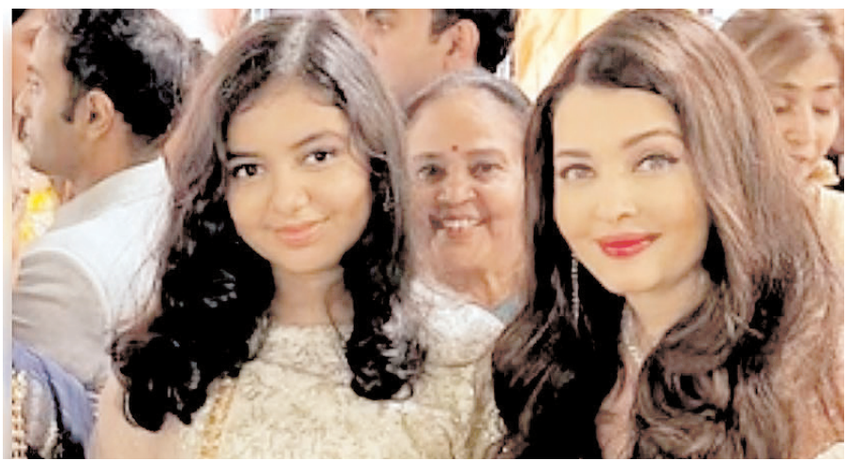

ऐश्वर्या राय के साथ फ्रेम में मुस्कुराती नजर आईं आराध्या

मुंबई/एजेन्सी

तलाक की अफवाहों के बीच बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय हाल ही में बेटी आराध्या बच्चन के साथ एक शादी में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम से मां-बेटी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर में अभिनेत्री हल्के गुलाबी रंग का लहंगा पहने हैं। दूसरी ओर, आराध्या ने मैचिंग पीले रंग का लहंगा पहन रखा है।

वायरल तस्वीर में अभिनेत्री की मां बृंदा राय भी नजर आईं। सोशल मीडिया पर प्रशंसक ऐश्वर्या और आराध्या की इस तस्वीर की तुलना 2012 की मां और बेटी की एक पुरानी तस्वीर से करते नजर आए, जब आराध्या केवल एक साल की थीं। पुरानी तस्वीर में ऐश्वर्या, आराध्या को गोद में ली हुई हैं।

ऐश्वर्या के एक प्रशंसक ने लिखा, आराध्या ऐश जितनी लंबी हो गई हैं। आराध्या ने 16 नवंबर को अपना जन्मदिन मनाया। बर्थडे पार्टी से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल थीं, जिसमें ऐश्वर्या और आराध्या के साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे। ये तस्वीरें उन अफवाहों का भी जवाब हैं, जो ऐश-अभिषेक के अलगाव या तलाक की खबरों को हवा देती हैं।

वायरल एक वीडियो में अभिषेक अपनी बेटी आराध्या के जन्मदिन के आयोजन और उनके इवेंट में सहयोग के लिए इवेंट ऑर्गनाइज करने वाली कंपनी के मालिक का आभार व्यक्त करते दिखाई दिए थे।

इससे पहले ऐश्वर्या ने 21 नवंबर को अपने पिता कृष्णा राय के जन्मदिन पर आराध्या के जन्मदिन के जश्न की तस्वीरें साझा की थीं। तस्वीरों में ऐश्वर्या और उनकी मां बृंदा, आराध्या के साथ, कृष्णा राय को फूलों से श्रद्धांजलि देते हुए दिखाई दिए थे। मीडिया में अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच झगड़े की खबरों को लगाम लगाते हुए हाल ही में दोनों की एक और तस्वीर सामने आई, जिसमें दोनों साथ में मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आए थे।

'वनवास' की कहानी दिल को छू गई : नाना पाटेकर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का कहना है कि जब उन्होंने फिल्म वनवास की कहानी पहली बार सुनी तो वह उनके दिल को छू गयी। गदर 2 की जबरदस्त सफलता के बाद, निर्देशक अनिल शर्मा अब अपनी नई फिल्म वनवास के साथ एक और इमोशनल और सोचने पर मजबूर करने वाली कहानी पेश करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में नाना पाटेकर उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर लीड रोल्स में हैं।गदर: एक प्रेम कथा जैसी फिल्मों के लिए जाने जानें वाले अनिल शर्मा ने इस इमोशनल ड्रामा को डायरेक्ट और प्रोड्यूस करने के साथ ही लिखा भी है। फिल्म वनवास में लीड रोल निभा रहे नाना पाटेकर ने कहा, जब भी मैं कोई फिल्म देखने जाता हूं, यदि मुझे स्क्रीन पर दिख रहे किरदारों से जुड़ाव महसूस होता है, तो वो फिल्म पर्सनल लगने लगती है। ऐसा लगता है जैसे वो कहानी हमारे साथ है। इसी तरह की फिल्म वनवास है।यह जुड़ाव इतना गहरा होगा कि ये हर घर की कहानी लगने लगेगी। जब मैंने पहली बार ये कहानी सुनी, तो मुझे बहुत अंदर से छू गई। एक आम इंसान के तौर पर, ये मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कुछ खास नहीं है, बस अपनी पुरानी यादों को याद करने और उन्हें जिंदगी में लाने की ज़रूरत है।

अनिल शर्मा ने कहा है कि वनवास उनके लिए एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि यह प्यार, बलिदान और पारिवारिक रिश्तों की जटिलताओं पर आधारित है। यह फिल्म उन इमोशंस को दिखाती है, जिन्हें हम अक्सर अपने अंदर छिपा कर रखते हैं। ये सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि परिवार, सम्मान और अपनापन की असली समझ की एक यात्रा है। नाना पाटेकर, उत्कर्ष, सिमरत, और राजपाल यादव ने अपने किरदारों में बेमिसाल गहराई और सच्चाई डाली है। मैं दर्शकों द्वारा सिल्वर स्क्रीन पर इन परफॉर्मेंस देखने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। अनिल शर्मा द्वारा लिखी, निर्मित और निर्देशित फिल्म वनवास 20 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज की जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 08-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

अनिश्चितकालीन पावर कट से परेशान जनता की नहीं है कोई सुधि लेने वाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पुझल इलाके में पिछले कई महीनों से अनिश्चितकालीन पावर कट से इलाके की जनता परेशान है। पुझल निवासी एस अशोक मोदी ने बताया है कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र में पावर कट की समस्या बनी हुई है जिससे इलाके में रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बिजली विभाग के सहायक अभियंता को कई बार सूचित करने के उपरांत भी समस्या जस की तस बनीं हुई है। उन्होंने बताया कि शिकायत करने पर अधिकारी गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करते है और कभी कभी तो शिकायतकर्ता के साथ गालीगलौज करने पर उतारू हो जाते हैं। रात में पावर कट होने पर सूचना देने हेतु फोन करने पर फोन नहीं उठाते रात में पावर कट की समस्या हो जाने पर तत्काल समाधान न मिलने के कारण आम लोगों का जीवन दुष्कर हो जाता है। आम लोग ठीक से सो नहीं पाते ठीक से नींद न पूरी होने के कारण कई लोग गंभीर बीमारियों से ग्रसित होते जा रहे है। उन्होंने बताया कि इलाके में बड़ी संख्या में प्रवासी बसे हुए हैं और अनेक व्यवसाय में लगे हुए पावर कट की समस्या से आम जनमानस के साथ प्रवासियों के व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे हैं बच्चों की शिक्षा पर भी पावर कट से प्रभाव पड़ रहा है। बच्चे रात में ठीक से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के समय यह समस्या और भी बढ़ जाती है पावर कट होने से मच्छरों का इस इलाके में प्रभाव बहुत बढ़ जाता है। जिससे मलेरिया डेंगू जैसी खतरनाक बीमारियों का फैलने का डर सदैव बना रहता है। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में कई बार गुहार लगाया गया है परंतु अब तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया है उन्होंने राज्य के बिजली मंत्री तथा विभाग के संबंधित अधिकारियों से समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर निराकरण कर इस इलाके के लोगों को राहत दिलवाने हेतु निवेदन किया है।

शपथ ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु की साधारण सभा साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में संघ अध्यक्ष प्रेमकुमार कवाड की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मंगलाचरण के पश्चात वर्तमान कार्यकाल में दिवंगत आत्माओं को श्रदांजलि अर्पित की गई। श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया, मंच पर पूर्व राष्ट्रीय संघ अध्यक्ष पी एस सुराणा, पूर्व कार्याध्यक्ष बुधमल बोहरा का स्वागत किया। संघ अध्यक्ष प्रेमकुमार कवाड की शपथ ग्रहण में हुई।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कल्याणनगर क्षेमाभिवृद्धि संघ एवं कल्याणनगर युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में नगर देवता अण्णाम्मा देवी उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया । संघ के सोमशेखर ने मुणोत को सम्मानित किया।

विरोध मार्च

मेरठ में शनिवार को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी विरोध मार्च में हिस्सा लेते हुए।

विद्यालय ने निकाली स्वच्छ भारत अभियान रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कन्हैयालाल अग्रवाल बाल निकेतन नर्सरी एवं प्राइमरी स्कूल स्वच्छ भारत के अंतर्गत 'स्वच्छ साहुकारपेट जागरूकता' का आयोजन 7 दिसंबर को किया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत, स्वच्छ साहुकरपेट, ट्रैफिक रूल्स व सेफ्टी रूल्स फॉलो अभियान का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य सड़कों का साफ सुथरा करना, कूड़ा साफ रखना, हलमेट पहनकर वाहन चलना आदि अपनाना है। कन्हैयालाल अग्रवाल बाल निकेतन, सनातन धर्म विद्याल व मोतीलाल फोमरा सनातन धर्म विद्यालय के तीनों विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। लायन्स क्लब ने लोगों को स्वच्छा के बारे में संदेश दिया। स्कूल के महासचिव आरसी डागा एवं प्रधानाचार्या मीतू सहदेव व लायंस क्लब ऑफ फोर्ट सेंट जॉर्ज के सदस्य मुख्य अतिथि के रूप में एस बोस व राजेश जोशी, एसएसडीवी एसोसिएशन के सदस्य अशोक मुदंडा, अरुण कुमार मीमानी, एम. पी. मर्दा, पन्नालाल बिहानी, वंदना भाड्डड, संतोष बिसानी, अजय कुमार नाहर, सुनील डागा, अरुणा फोमरा, भावना त्रिवेदी, नेहा बिहानी, विवेक बम, नवनीत दमानी, अभिभावकों एवम् अध्यापिकाओं के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ। लायंस क्लब की तरफ से हेलमेट और पौधे वितरण किए गए।

कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर में भव्य चंपाषष्ठी रथ उत्सव का आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले के कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर में शनिवार सुबह भव्य चंपाषष्ठी रथ उत्सव का आयोजन किया गया। मंदिर के वार्षिक रथ उत्सव का देखने के लिए हजारों श्रद्धालु इकट्ठा हुए। मंदिर के देवता भगवान सुब्रह्मण्य को सजे हुए रथ में मंदिर की सड़कों पर यात्रा के रूप में ले जाया गया। मंदिर के आसपास रंग-बिरंगी रोशनी और सजावट से वातावरण और भी उत्सवपूर्ण हो गया। इस उत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनियां भी आयोजित की गईं। यात्रा के लिए इस्तेमाल किया गया रथ बांस से बना था, जो इस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पारंपरिक सामग्री है। परंपरा के अनुसार, बांस के रथ का एक टुकड़ा उत्सव में हिस्सा लेने वाले भक्तों को प्रसाद (आशीर्वाद) के रूप में दिया जाता है।

जिले के विभिन्न भागों, राज्य और यहां तक ङ्कि अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु इस उत्सव में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए थे। मंदिर के अधिकारियों ने उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की थी। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, चंपाषष्ठी का त्यौहार हर साल मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है।

यह शुभ दिन बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह भगवान शिव के मार्कंडेय रूप और उनके पुत्र भगवान कार्तिकेय की पूजा के लिए समर्पित है। खासकर कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों में चंपा षष्ठी को भव्यता और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे भारतीय मूल के अमेरिकी

वाशिंगटन/भाषा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में भारतीय मूल के कई अमेरिकी अगले दो दिनों में अमेरिका की राजधानी और शिकागो में शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। यह जानकारी आयोजकों ने दी।

'जेनोसाइड ऑफ हिंदूज इन बांग्लादेश' (बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार) के विरोध में मार्च का आयोजन हिंदू एक्शन द्वारा सोमवार, नौ दिसंबर को व्हाइट हाउस के पास किया जा रहा है, जबकि 'स्टॉप द जेनोसाइड: सेव हिंदू लाइव्स इन बांग्लादेश' (नरसंहार रोकें: बांग्लादेश में हिंदुओं का जीवन बचाएं) का आयोजन रविवार, आठ दिसंबर को शिकागो में समुदाय के प्रतिष्ठित नेताओं द्वारा किया जा रहा है।

पिछले कई महीनों में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ़ अपराध का दस्तावेजीकरण करने के लिए भारतीय मूल के अमेरिकियों द्वारा ग ि ठ त 'डब्ल्यूडब्ल्यूडॉटस्टॉपहिंदूजेनोसाइड' ने कहा, ''बांग्लादेश में स्थिति सिर्फ एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, यह वैश्विक निहितार्थों के साथ एक मानवीय आपदा है। नरसंहार मानवता के खिलाफ अपराध है। हस्तक्षेप करना, सुरक्षा करना और आगे के अत्याचारों को रोकना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ज़िम्मेदारी है।'' इसने कहा कि हाल के दिनों में हिंदुओं के खिलाफ क्रूरता चौंकाने वाले स्तर तक बढ़ गई है।

'हिंदूऐक्शन' के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने अमेरिका के निवर्तमान बाइडन-हैरिस प्रशासन से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंसा को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए हर संभव उपाय करने का आह्वान किया।

मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से 50 से अधिक जिलों में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर 200 से अधिक हमले हुए हैं।

भारत की समावेशी वृद्धि की अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने सराहना की : के सुब्रमण्यम

वाशिंगटन/भाषा। देश के शीर्ष अर्थशास्त्री और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वी सुब्रमण्यम ने कहा कि दुनिया भारत को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे और समावेशी वृद्धि के बारे में न सिर्फ चर्चा हो रही है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसकी सराहना भी रह रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कुल मिलाकर बहुत अच्छी तरह से बढ़ रही है। कोविड के बाद, वृद्धि दर लगातार सात प्रतिशत रही है। बेशक, इस तिमाही में थोड़ी गिरावट आई है। आंशिक रूप से यह पूंजीगत व्यय में मंदी के कारण है। साथ ही, निर्यात पर भी कुछ प्रभाव पड़ा है। लेकिन मुझे लगता है कि यह गिरावट अस्थायी होगी।'' भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यन ने हाल में एक किताब 'इंडिया100' लिखी है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, ''आईएमएफ बोर्ड में बैठने के बाद से मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि दुनिया भारत को लेकर आशावादी है। भारत ने जिस तरह का सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाया है, उसका जिक्र मेरे बोर्ड के लगभग हर साथी अक्सर करते हैं। वे इसकी ईमानदारी से सराहना करते हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने जिस तरह की समावेशी वृद्धि की है, उसकी भी सराहना की जानी चाहिए।

अजीब विडंबना है; पहले गांव से निकलना चाहता था, अब गांव लौटना चाहता हूं : मनोज वाजपेयी

नई दिल्ली/भाषा। संजीदा और सार्थक किरदारों के पर्याय अभिनेता मनोज वाजपेयी की एक समय बिहार के अपने छोटे से गांव से निकल कर जिंदगी में कुछ बड़ा करने की ख्वाहिश थी। और अब जब यह सपना पूरा हो गया है तो उन्हें अपने गांव की याद बहुत सताती है और वह उन्हीं पगडंडियों से अपने गांव लौटना चाहते हैं।

'द्रोहकाल', 'सत्या' 'बैंडिट क्वीन', 'शूल', 'जुबैदा', 'राजनीति', 'गैंग्स आफ वासेपुर', 'अलीगढ़' और 'सोनचिरिया' जैसी फिल्मों में सफलता के नए मानक तय करने वाले मनोज वाजपेयी कहते हैं, '' ये एक विडंबना है कि जब मैं वहां था तो उस जगह से निकलना चाहता था। अब उस परमात्मा ने एक ऐसी जिंदगी दी है और सब हासिल कर लिया है, तो वहीं लौटने का मन करता है।''

मनोज बिहार से आकर दिल्ली के थियेटर में करीब एक दशक तक रमे रहे और उसके बाद मुंबई चले गए। अलग अलग समय पर मनोज अलग अलग जगहों पर रहे हैं। लेकिन वह कहते हैं, 'घर तो हमेशा बेलवा ही रहेगा'' जो बिहार में उनका पैतृक गांव है।

वह बिहार की ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकल कर मुंबई के सिल्वर स्क्रीन पर अपने विविधतापूर्ण अभिनय की छाप छोड़ने वाले पहले अभिनेता रहे। उनसे पहले बिहार से आने वाले शत्रुघ्न सिन्हा हालांकि फिल्मों में अपनी धाक जमा चुके थे।

मनोज वाजपेयी ने यहां समाचार एजेंसी पीटीआई के मुख्यालय में एक विशेष साक्षात्कार के दौरान कहा, ''मुझे पता चला कि 'सत्या' देखने के बाद न केवल मेरे गांव और जिले के बल्कि राज्य के दूसरे हिस्सों से भी लड़के लोग घरों से बाहर निकलने लगे। वो सभी अभिनेता नहीं बनना चाहते थे लेकिन बहुत से लड़कों ने तो ये सोचकर गांव-घर छोड़ा कि जब ये लड़का बॉलीवुड में पहुंच सकता है तो हम भी अपनी जिंदगी में कुछ बड़ा, कुछ मनचाहा कर सकते

हैं।'' मनोज कहते हैं कि अपनी आराम की जिंदगी से निकलने और कुछ करने का साहस उन लोगों में उससे पहले नहीं था क्योंकि वहां इस प्रकार का कोई ढांचा ही नहीं था।

उनका कहना था, '' शत्रु जी के मामले में तो हर कोई जानता है कि वह धनाढ्य परिवार से आते हैं और पटना से ताल्लुक रखते हैं। उन्हें तो दिल्ली पहुंचने के लिए केवल एक ट्रेन पकड़नी थी। हम लोगों को पहले ट्रैक्टर पकड़ना होता, उसके बाद बस और उसके बाद दिल्ली के लिए ट्रेन में सवार होना पड़ता था। केवल पटना पहुंचने के लिए ढाई दिन लगते थे।'' भीखू म्हात्रे का एक डॉयलाग 'मुंबई का किंग कौन' अब सिनेमा के इतिहास का हिस्सा है लेकिन इस किरदार के चयन की कहानी भी काफी रोचक है।

मनोज वाजपेयी 1997 में राम गोपाल वर्मा की 'दौड़' के लिए ऑडिशन देने गए थे जिसमें संजय दत्त और उर्मिला मातोंडकर हीरो हीरोइन थे। ये 'बैंडिट क्वीन' के बाद की बात है जिससे उन्हें पहचान तो मिली थी लेकिन असली ब्रेक नहीं मिला था।

मनोज कहते हैं, '' जब फिल्म रिलीज हुई तो हर दूसरे अभिनेता के पास इंडस्ट्री में काम था। केवल एक अकेला मैं था जिसके पास कोई काम नहीं था।''

उन्हें वह ऑडिशन एकदम ऐसे याद है जैसे कल की ही बात हो। '' जब रामू (रामगोपाल वर्मा) को पता चला कि चार साल पहले 'बैंडिट क्वीन' में मैंने ही मान सिंह का किरदार निभाया था तो उन्होंने मुझे बताया कि वह चार पांच साल से मुझे ढूंढ़ रहे थे, लेकिन किसी को मेरे बारे में ज्यादा पता नहीं था।'' रामू ने कहा, तुम यह भूमिका (दौड़ फिल्म) मत करो। मैं अपनी अगली फिल्म बना रहा हूं और उसमें तुम मुख्य भूमिका करोगे।''

लेकिन वाजपेयी ने जोर देकर कहा कि उन्हें यह फिल्म करनी ही पड़ेगी। मैंने कहा, '' सर, मुझे ये रोल दे दो और जब वो फिल्म करो तो बाद में आप मुझे उसमें ले सकते हो। इसके लिए मुझे 35,000 रूपये मिल रहे हैं । इस समय ये मौका मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।''

रामू ने मनोज से किया अपना वह वादा निभाया।

'सत्या' के बाद बहुत मुश्किल और लंबा सफर शुरू हुआ लेकिन वाजपेयी इसे संघर्ष नहीं कहते। मनोज का मानना था, ''असली संघर्ष तो एक रिक्शावाले का होता है। अगर वो एक दिन भी रिक्शा नहीं खींचेगा तो वह कमा नहीं पाएगा। यह उसका सपना नहीं है....हम तो अपने सपनों के पीछे भाग रहे हैं। ये संघर्ष नहीं है।''

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.